RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:254। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 06 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भाजपा ने अमित शाह को बनाया पश्चिम बंगाल का केंद्रीय पर्यवेक्षक

जेपी नड्डा को असम का जिम्मा सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली प्रचंड जीत के बाद अब प्रदेश में नई सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में अब भाजपा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। इसमें बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव हेतु केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। अमित शाह और ओडिशा के सीएम माझी मिलकर राज्य में विधायक दल की बैठक और नेतृत्व चयन की प्रक्रिया को पूरा कराएंगे। इसके साथ ही भाजपा ने असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

● वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ मई को

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने जानकारी दी है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण आगामी नौ मई को किया जायेगा। हालांकि मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उस दिन कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती भी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध रही है। राजाराम मोहन राय, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ जैसी महान हस्तियों की यह भूमि है। राज्य की इसी गरिमा और पहचान को फिर से स्थापित करने की दिशा में नई सरकार काम करेगी। सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे।

शिक्षामित्र के कार्यक्रम में बोले सीएम योगी-

संवाद से समाधान, टकराव से नहीं

एजेंसी

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शिक्षामित्र सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानदेय बढ़ोतरी के फैसले को सरकार की संवेदनशीलता का उदाहरण बताते हुए शिक्षामित्रों को सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी के साथ काम करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि संवाद के जरिए समाधान संभव है, जबकि टकराव की राजनीति समाज और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाती है। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को गोरखपुर में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह में कहा कि वर्षों से लंबित मांगों को उनकी सरकार ने संवेदनशीलता के साथ हल किया है, लेकिन इसके लिए टकराव नहीं, बल्कि संवाद का रास्ता अपनाना जरूरी है। सीएम योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक बनाने का प्रयास किया, जो विधि विरुद्ध था। इस पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शिक्षामित्रों की सेवाएं समाप्त होने का संकट खड़ा हो गया था। उनकी सरकार के सामने डेढ़ लाख परिवारों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट था। उन्होंने आगे बताया कि उनकी सरकार ने 2017 में शिक्षामित्रों की सेवाएं समाप्त करने के बजाय उन्हें बनाए रखने का निर्णय लिया और

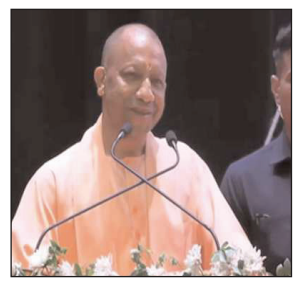

उनका मानदेय 3,500 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार समय-समय पर मानदेय बढ़ाने की इच्छुक थी, लेकिन कुछ लोगों ने शिक्षामित्रों के बीच भ्रम और शोषण की स्थिति पैदा की।

मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करना भी है। नकारात्मक सोच समाज के लिए घातक हो सकती है, जबकि सकारात्मक दृष्टिकोण से बेहतर पीढ़ी का निर्माण संभव है। एक बच्चे का स्कूल छोड़ना राष्ट्रीय क्षति है। सरकार ने बालिकाओं की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में पेयजल, शौचालय और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी है। साथ ही, 1.60 करोड़ से अधिक बच्चों को यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो 2017 से पहले संभव नहीं था।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षामित्रों को ट्रेड यूनियन की प्रवृत्ति से दूर रहना चाहिए, क्योंकि इससे समाज को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि 'पहले देश, तब हम' की भावना के साथ कार्य करने पर ही समाज और राष्ट्र दोनों सुरक्षित रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने 'स्कूल चलो अभियान' का उल्लेख करते हुए बताया कि पहले चरण में 20 लाख से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगामी चरण में इस संख्या को और बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने ज्ञानी जैल सिंह की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में देश के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने ज्ञानी जैल सिंह के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन समर्पण, सादगी और देश सेवा का प्रतीक रहा है। उल्लेखनीय है कि ज्ञानी जैल सिंह (5 मई 1916 -25 दिसंबर 1994) देश के सातवें राष्ट्रपति वर्ष 1982 से 1987 तक थे। वे यह सर्वोच्च पद संभालने वाले पहले सिख थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में 1972-77 तक तथा केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में 1980 से 82 तक कार्य करने वाले ज्ञानी जैल सिंह के कार्यकाल में ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख-विरोधी दंगे जैसी महत्वपूर्ण घटनाएं हुई थीं।

राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद बोले राघव चड्ढा, बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है पंजाब सरकार

राष्ट्रपति ने कार्रवाई का भरोसा भी दिया है: राघव चड्ढा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार पर राज्य की मशीनरी के कथित दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई।

राघव चड्ढा ने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत राष्ट्रपति से की गई है और उन्होंने कार्रवाई का भरोसा भी दिया है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि पंजाब की सरकार आम आदमी पार्टी छोड़ कर अन्य दलों में शामिल हुए राज्यसभा सांसदों को निशाना बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उनके साथी सांसद

संदीप पाठक के खिलाफ दो 'दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत' एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि मीडिया के जरिए यह भी फैलाया गया कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विजिलेंस, प्रदूषण बोर्ड और पंजाब पुलिस का इस्तेमाल बदले की भावना से करना एक खतरनाक खेल है। राघव चड्ढा ने कहा कि जब तक नेता 'आआपा में रहते हैं, उन्हें ईमानदार बताया जाता है, लेकिन पार्टी छोड़ते ही उन्हें भ्रष्ट करार दिया जाने लगता है। उन्होंने इसे दोहरे मापदंड बताते हुए कहा कि अब 'आआपा' खुद उसी राजनीति पर उतर आई है, जिसके खिलाफ वह कभी खड़ी हुई थी।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री मान ने पत्रकारों से कहा कि आज दिल्ली में राष्ट्रपति के समक्ष हमने देश में हो रही 'लोकतंत्र की हत्या' के विरुद्ध अपनी आवाज़ ज़ोर-शोर से उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि असंवैधानिक तरीकों से पार्टियों को तोड़ना और ईडी-सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर नेताओं को क्लीन चिट देना लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि पंजाब में 'ऑपरेशन लोटस' जैसी सस्ती राजनीतिक चालें कभी सफल नहीं होंगी। मान ने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक लाखों पंजाबियों की आवाज हैं और

पंजाब की जनता कभी विश्वासघात बर्दाश्त नहीं करती। उन्होंने खुद को 'जनता का सेवक' बताते हुए आश्वासन दिया कि वे जनता के जनादेश और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक लड़ते रहेंगे।

रेल की पटरियों पर बह रही 'इंग्लिश' की धार: वापी से सूरत तक 'प्रवीण' का समानांतर राज! बहुमत से दूर टीवीके

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वलसाड/वापी। गुजरात में कहने को तो शराबबंदी है, लेकिन हकीकत में यहाँ रेल की पटरियों के साथ-साथ 'मयखाना' दौड़ रहा है। वापी से लेकर सूरत तक का रेल खंड इन दिनों शराब तस्करों के लिए 'ग्रीन कॉरिडोर' बन चुका है। महानगर मेट्रो को मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, इस पूरे काले साम्राज्य का बेताज बादशाह 'प्रवीण' नाम का कथित वहीवटदार है, जिसके इशारे पर कानून की आंखों में धूल झोंककर रोज करोड़ों का कारोबार हो रहा है।

पार्सल की आड़ में 'जहर' की सप्लाई

सूत्रों का दावा है कि वापी लाइन से पार्सल की आड़ में बड़े पैमाने पर अंग्रेजी शराब की हेराफेरी की जा रही है। हर दिन 500 से 800 पेटी शराब वापी, वलसाड, उड़वाड़ा, अतुल और पारदी जैसे स्टेशनों पर बेखौफ उतारी जाती है। रेलवे स्टेशनों पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां या तो अपनी आंखें मूंद चुकी हैं या फिर इस खेल में बराबर की साझीदार हैं।

सिंडिकेट के 'चेहरे' आए सामने

इस अवैध कारोबार को चलाने के लिए एक संगठित गैंग काम कर रहा है।

जानकारी के मुताबिकः आकाश, विनोद, सागर और विजयः ये वो नाम हैं जो धरातल पर शराब के धंधे को ऑपरेट करते हैं।

गोवा कनेक्शनः इस अवैध लाइन को गोवा से जोड़ने वाले मुख्य गुर्गे बाबू माजरो, जीतू माल्या और टीनू हैं। इन सबका मुखिया प्रवीण वहीवटदार बताया जा रहा है, जो ऊपर से नीचे तक 'मैनेजमेंट' का काम देखता है।

सबसे बड़ा खुलासा : खाकी की 'कृपा' और वहीवटदार के 'हफ्ते' ने गुजरात की शराबबंदी को बनाया मजाक; रोजाना उतर रही हैं 800 पेटियां

लाखों का 'हफ्ता' और सिस्टम की चुप्पी

सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि इस अवैध धंधे को संरक्षण देने के बदले रेंज आईजी, रेलवे एसपी, आरपीएफ और जीआरपी के नाम पर लाखों रुपये का हफ्ता वसूला जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रवीण वहीवटदार हर महीने भारी-भरकम रकम पुलिस के विभिन्न विंग्स तक पहुंचाता है, जिसके कारण आज तक इन तस्करों पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। 'क्या यह गुजरात की शराबबंदी है या सिर्फ पैसे का खेल? अगर रेलवे स्टेशनों पर सरेआम शराब की पेटियां उतर रही हैं, तो उच्च अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठना लाजिमी है। इस खुलासे के बाद अब देखना यह है कि प्रशासन इन शराब माफियाओं पर नकेल कसता है या फिर गांधी के गुजरात में पटरियों पर इसी तरह शराब का 'नशा' दौड़ता रहेगा।

महानगर मेट्रो के तीखे सवालः

1. जब स्टेशनों पर सीसीटीवी और भारी पुलिस बल होता है, तो 800 पेटियां कैसे गायब हो जाती हैं?
2. प्रवीण जैसे 'वहीवटदार' को किसका राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है?
3. क्या रेंज आईजी और एसपी स्तर तक पहुंच रहे 'हफ्ते' की खबर सरकार को है?

विजय को समर्थन नहीं देंगे डीएमके के सहयोगी!

एजेंसी

चेन्नई । तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। इसी बीच, डीएमके-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दलों ने अभिनेता-राजनेता विजय को समर्थन देने से इनकार के संकेत दिए हैं। इससे तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के सत्ता तक पहुंचने का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है, जबकि वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 23 अप्रैल को एक चरण में हुए विधानसभा चुनाव में डीएमके, एआईएडीएमके, नाम तमिलर कच्ची और टीवीके के बीच चार-कोणीय मुकाबला हुआ था। 4 मई को मतगणना पूरी होने के बाद, 234-सदस्यीय सदन में टीवीके को 108 सीटें मिलीं, जो बहुमत के 118 के आंकड़े से कम है। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के महासचिव वाइको ने साफ कहा कि डीएमके गठबंधन के दल विजय को समर्थन देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने

कहा, 'गठबंधन सहयोगियों में टीवीके की ओर जाने का कोई इरादा नहीं है,' जिससे किसी भी संभावित सियासी पुनर्संरेखण की संभावना लगभग खत्म हो गई है।वहीं, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) के नेता थोल. तिरुमावलवन ने भी इसी तरह का रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि वामपंथी दलों और वीसीके का लंबे समय से वैचारिक गठजोड़ रहा है।

सेना प्रमुख ने किया स्वदेशी विकसित रक्षा उपकरणों और तकनीकों का निरीक्षण

● 'यह एक रक्षा त्रिवेणी संगम है जहां तकनीक, उद्योग और सैन्य शक्ति का संगम हो रहा है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने स्वदेशी तौर पर विकसित की गई रक्षा तकनीकों और नवाचारों को देखा। मंगलवार को वह सेना द्वारा आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम में मौजूद रहे। यह एक रक्षा त्रिवेणी संगम है जहां तकनीक, उद्योग और सैन्य शक्ति का संगम हो रहा है। सिम्पोजियम में प्रदर्शित तकनीकों में आधुनिक युद्ध प्रणालियां, निगरानी उपकरण, संचार प्रणालियां और उन्नत रक्षा समाधान शामिल हैं। ये वे डिफेंस टेक्नोलॉजी हैं जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता को और सुदृढ़ करेंगी। यहां सिम्पोजियम में थल सेनाध्यक्ष को विभिन्न उद्योग साझेदारों द्वारा विकसित स्वदेशी रक्षा तकनीकों और नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी गई।

उन्होंने भारतीय सेना और स्वदेशी रक्षा उद्योग के बीच हो रहे समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आयोजन सशस्त्र बलों, उद्योग और अकादमिक जगत के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य न केवल ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ाना है, बल्कि रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाना और देश के आत्मनिर्भर रक्षा इकोसिस्टम को आगे बढ़ाना भी है। नॉर्थ टेक सिम्पोजियम में भारतीय रक्षा क्षेत्र में नवाचार, साझेदारी और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभर रहा है, जो भविष्य में भारत की सैन्य शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। इस सिम्पोजियम में तकनीक, उद्योग और सैनिक एक साथ एक मंच पर मिल रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में सिर्फ भाजपा नहीं, हर देशभक्त राष्ट्रवादी की हुई है जीतः सुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव किया है। इस बार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 206 सीटों पर जीत हासिल की है। इसके लिए भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और इसे हर देशभक्त राष्ट्रवादी की जीत बताया। सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की जनता का आभार जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह जीत सिर्फ भाजपा की नहीं, बल्कि हर देशभक्त और राष्ट्रवादी व्यक्ति की जीत है। उन्होंने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है और यह जनादेश विकास, सुरक्षा और समृद्धि की दिशा में एक मजबूत कदम है। अपने पोस्ट में उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की भी सराहना की और कहा कि इस जीत के पीछे उनकी मेहनत और समर्पण है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी का लक्ष्य अब एक विकसित, सुरक्षित और समृद्ध पश्चिम बंगाल बनाना है। इसके लिए सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है और नई सरकार जनता की सेवा को अपनी पहली प्राथमिकता बनाएगी।

व्यक्तित्वः कपड़ों की चमक नहीं, गुणों की महक है असली पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अक्सर कहा जाता है कि 'इंसान की पहचान उसके पहनावे से होती है,' लेकिन क्या यह पूरी तरह सच है? आज के चकाचौंध भरे दौर में हम बाहरी दिखावे, महंगे ब्रांड्स और आलीशान कपड़ों को ही व्यक्तित्व का पैमाना मान बैठे हैं। लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर है। लिबास नहीं, चरित्र बोलता है इंसान के कपड़े चाहे कितने भी महंगे या ब्रांडेड क्यों न हों, वे उसके खराब चरित्र या कड़वे व्यवहार को कभी छिपा नहीं सकते। रेशमी लिबास के पीछे छुपा अहंकार या झूठ ज्यादा देर तक छिप नहीं पाता। बाहरी दिखावा शरीर को तो आकर्षक बना सकता है, लेकिन विचारों की सुंदरता और स्वभाव की कोमलता केवल संस्कारों से ही आती है। यदि व्यक्ति का व्यवहार उचित नहीं है, तो महंगे से महंगा लिबास भी उसकी फीकी पड़ती छवि को सुधार नहीं सकता। सादगी का जादू दूसरी ओर, सादगी वह आभूषण है जो कभी पुराना नहीं पड़ता। जो लोग 'सादा जीवन, उच्च विचार' के सिद्धांत को अपनाते हैं, उनका व्यक्तित्व स्वाभाविक रूप से चुंबकीय बन जाता है। उनकी निस्वार्थ भावना, विनम्रता और अच्छाई लोगों के दिलों में एक स्थायी जगह बना लेती है। सादगी में एक ऐसी गरिमा होती है जो किसी भी महंगे ब्रांड के पास नहीं। हमारे संस्कार ही हमारी पहचान अंततः, कपड़े केवल शरीर को ढंकने का साधन हैं, लेकिन संस्कार हमारी आत्मा का प्रतिबिंब होते हैं। दुनिया हमें हमारे कपड़ों से कुछ पल के लिए याद रख सकती है, लेकिन हमारे सद्गुण और व्यवहार हमें लोगों के दिलों में हमेशा के लिए जीवित रखते हैं।

अनमोल विचारः 'कपड़ों से तो सिर्फ शरीर चमकता है, व्यक्तित्व को चमकाने के लिए तो संस्कारों की पॉलिश की जरूरत होती है।' इसलिए, आइए हम अपने वार्डरोब से ज्यादा अपने चरित्र और विचारों पर निवेश करें, क्योंकि वही हमारी सच्ची और स्थायी पहचान है।

चुनावी नतीजों पर घमासानः केजरीवाल ने उठाए भाजपा की जीत पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चौंकाने वाले परिणामों ने देश की सियासत में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बंगाल के रण में ऐतिहासिक बढ़त हासिल की है, वहीं विपक्षी खेमे में इन नतीजों को लेकर संदेह के बादल गहराने लगे हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इन नतीजों पर सीधा हमला बोलते हुए भाजपा की जीत की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े किए हैं। 'मोदी लहर' पर केजरीवाल का तीखा प्रहार अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया और प्रेस के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि जो भाजपा दिल्ली और पिछले बंगाल चुनावों में 'मोदी लहर' के बावजूद नहीं जीत सकी, वह इस बार अचानक इतने बड़े अंतर से कैसे जीत गई? 'जब दिल्ली और बंगाल में जनता ने मोदी लहर को सिरे से नकार दिया था, तो अब ऐसा क्या बदल गया कि भाजपा को इतनी बड़ी जीत मिल गई? यह जीत गले नहीं उतरती।' — **अरविंद केजरीवाल, नेता, AAP**

नोटः एक सीट पर अभी अंतिम परिणाम आना बाकी है, जहां टीएमसी महज 323 मतों से आगे चल रही है।

विपक्ष की सुगबुगाहटः ईवीएम या रणनीति?

केजरीवाल के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर चुनाव प्रक्रिया और वोटिंग पैटर्न को लेकर बहस छिड़ गई है। टीएमसी की करारी हार और भाजपा के 200 का आंकड़ा पार करने को लेकर विपक्ष अब एकजुट होकर सवाल उठाने की तैयारी में है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने इन आरोपों को 'हार की हताशा' करार दिया है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि बंगाल की जनता ने विकास और परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया है, जिसे विपक्ष स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

महानगर मेट्रो की नजरः अब देखना यह होगा कि केजरीवाल के इन सवालों को अन्य विपक्षी दल कितना समर्थन देते हैं और क्या यह मुद्दा आने वाले दिनों में संसद से लेकर सड़क तक गरमाएगा।

भाजपा नेता जगदीश ममगांई की पुस्तक 'स्वाधिकार के लिए छटपटाता उत्तराखण्ड' का विमोचन हुआ।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

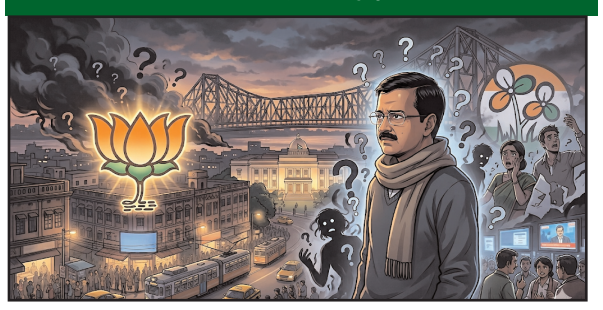

दिल्ली। दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया पर उत्तराखण्ड राज्य गठन आंदोलनकारी संगठनों की समन्वय समिति द्वारा उत्तराखण्ड रजत जयंती वर्ष पर कार्यक्रम आयोजित किया एवं पृथक राज्य आंदोलन के लिए हुए रक्तरंजित संघर्ष में बतौर आंदोलनकारी, सामाजिक, राजनीतिक संघर्ष के सहभागी रहे राष्ट्रीय स्वाभिमान आन्दोलन के राष्ट्रीय सह-संयोजक जगदीश ममगांई की पुस्तक 'स्वाधिकार के लिए छटपटाता उत्तराखण्ड' का विमोचन हुआ। इस अवसर पर आंदोलनकारी नेता व प्यारा उत्तराखण्ड के संपादक देव सिंह रावत, उत्तराखण्ड महासभा अध्यक्ष हरपाल सिंह रावत, उत्तराखण्ड कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप, उत्तराखण्ड लोकमंच अध्यक्ष ब्रिज मोहन उप्रेती, आम आदमी पार्टी प्रवक्ता हरीश अवस्थी, भाजपा उपाध्यक्ष एवं उत्तरांचल प्रदेश संघर्ष समिति के महामंत्री रहे भगवत सिंह नेगी, अलकनंदा पत्रिका के संपादक विनोद ढौंडियाल, स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक चारु तिवारी, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता अतुल सचदेव, पत्रकार व्योमेश जुगराण, खुशाल जीना सहित कई आंदोलनकारी संगठनों के नेता, पत्रकार, शिक्षाविद् व सामाजिक कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। उत्तराखण्ड के शहीद आंदोलनकारियों को याद कर श्रद्धांजली दी गई। भारतीय जनता पार्टी एवं उत्तरांचल प्रदेश संघर्ष समिति के आंदोलनकारी नेता रहे लेखक जगदीश ममगांई ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम में किए प्रावधान गए के चलते 25 वर्ष बाद भी उत्तराखण्ड को अपनी संपत्ति, परिसंपत्तियों, राजस्व पर अपना अधिकार प्राप्त नहीं हुआ है। हरिद्वार में कुम्भ मेला, कांवड़ मेला क्षेत्र भी उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तांतरित नहीं किया।

राजकोट क्राइमः संतान न होने की परेशानी का उठाया फायदा, देवर ने शादी का झांसा देकर भाभी को बनाया हवस का शिकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रिश्तों की मर्यादा को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। राजकोट की रहने वाली एक 30 वर्षीय विवाहिता ने अपने ही पति के मौसेरे भाई (देवर) के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने की शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी ने पीड़िता को धोखे में रखने के लिए मंदिर के बजाय होटल के कमरे में मंगलसूत्र पहनाकर पत्नी स्वीकारने का ढोंग भी किया। प्रद्युम्न नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दवा दिलाने के बहाने बढ़ी नजदीकियां

पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी 2016 में हुई थी, लेकिन संतान सुख न मिलने के कारण वह मानसिक रूप से परेशान थी। जामनगर निवासी आरोपी ने हमदर्दी दिखाते हुए उसे इलाज के बहाने जामनगर बुलाया। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का विश्वास जीता और उसे विश्वास दिलाया कि उसका पति शराब का आदी है और वह उसे खुश नहीं रख सकता। आरोपी ने खुद की पत्नी से अनबन का बहाना बनाकर पीड़िता से शादी करने का वादा किया। शिकायत में पीड़िता ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि शोषण का यह सिलसिला साल 2024 में 'दीव' ट्रिप के दौरान शुरू हुआ।

- **दीव में पहली बारः** आरोपी और पीड़िता का पति दीव घूमने गए थे। पति के नशे में सो जाने के बाद आरोपी ने कमरे में घुसकर शादी का वादा किया और पहली बार संबंध बनाए।
- **राजकोट के होटलों में मुलाकातः** इसके बाद आरोपी बार-बार राजकोट आता और माधापर चौकड़ी तथा सदर बाजार स्थित होटलों में पीड़िता को बुलाकर शारीरिक संबंध बनाता था।
- **द्वारका में रचाया 'नाटक':** दिसंबर महीने में आरोपी अपने जन्मदिन पर पीड़िता को द्वारका ले गया। वहां एक होटल में उसने पीड़िता की मांग भरी और मंगलसूत्र पहनाकर उसे अपनी पत्नी मान लेने का नाटक किया।

25 बार शारीरिक संबंध, फिर मुकरा आरोपी पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने अब तक करीब 20 से 25 बार उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के कहने पर पीड़िता ने अपने पति का घर छोड़ दिया और मायके रहने लगी। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी बहाने बनाने लगा।

ऐसे खुला राजः

हाल ही में जब पीड़िता जामनगर पहुंची, तो देखा कि आरोपी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खुशी-खुशी रह रहा है। जब उसने अंतिम बार शादी के लिए कहा, तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया। खुद को ठगा हुआ महसूस कर पीड़िता ने पुलिस की शरण ली। **पुलिस की कार्रवाईः** प्रद्युम्न नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और दुष्कर्म की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश के लिए जामनगर में छापेमारी कर रही है।

थलापति का 'विजय' मंत्रः ड्राइवर के बेटे को बनाया विधायक, राजनीति में वफादारी का नया अध्याय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने न केवल राज्य की सियासत बदली है, बल्कि 'थलापति' विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम ने मानवता और कृतज्ञता की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। विजय ने अपने बरसों पुराने वफादार ड्राइवर राजेंद्रन के बेटे सबरीनाथन को चुनावी मैदान में उतारकर जो भरोसा जताया था, आज वह 'जीत' के ऐतिहासिक कीर्तिमान में बदल गया है। भावुक कर देने वाला सफरः स्टेयरिंग से सत्ता के गलियारे तक जब सुपरस्टार विजय ने टिकटों का बंटवारा किया था, तब हर कोई हैरान था कि उन्होंने एक साधारण ड्राइवर के बेटे को उम्मीदवार बनाया है। उस समय पिता राजेंद्रन और पुत्र सबरीनाथन दोनों ही अपने आंसू नहीं रोक पाए थे। आज जब चुनाव परिणाम आए, तो सबरीनाथन ने भारी मतों से जीत दर्ज कर साबित कर दिया कि जनता को 'नाम' नहीं, 'नेक नीयत' पसंद है।

वफादारी का सबसे बड़ा ईनाम

राजेंद्रन पिछले कई दशकों से साये की तरह विजय के साथ रहे हैं। विजय ने अपने इस फैसले से यह संदेश दिया है कि उनकी पार्टी में वंशवाद या रसूख नहीं, बल्कि मेहनत, ईमानदारी और वफादारी ही सफलता की असली चाबी है। एक ड्राइवर के बेटे का विधायक (MLA) बनना भारतीय लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत तस्वीर पेश करता है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि विजय ने इस एक दांव से तमिलनाडु के आम जनमानस का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर लोग इसे 'मास्टरस्ट्रोक' कह रहे हैं। लोगों का कहना है कि जो नेता अपने साथ काम करने वाले साधारण कर्मचारी के परिवार को सत्ता के शिखर पर बिठा सकता है, वह राज्य की आम जनता के भविष्य को भी सुरक्षित रख सकता है। महानगर मेट्रो की कलम से... अक्सर देखा जाता है कि राजनीति में टिकट केवल खास करीबियों या धनवानों को मिलते हैं, लेकिन विजय ने 'सबरीनाथन' को चुनकर यह साबित कर दिया कि 'सिंहासन उसी का होगा, जो हकदार होगा।' एक ड्राइवर का बेटा अब विधानसभा में जनता की आवाज बनेगा—यह केवल एक जीत नहीं, एक नए युग की शुरुआत है। विजय की TVK ने दिखा दियाः वफादारी का कर्ज चुकाने के लिए बड़े दिल की जरूरत होती है!

हर्ष संघवी के After-Before क्रेज में फंसी खाकीः पब्लिसिटी का स्टंट पड़ा भारी, पुलिसकर्मियों पर ही दर्ज हुआ मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के 'सख्त पुलिसिंग' और अपराधियों के जुलूस निकालने वाले मॉडल का अनुसरण करना अब पुलिस महकमे के लिए गले की फांस बन गया है। सोशल मीडिया पर वाहवाही लूटने के चक्कर में After-Before (अपराध से पहले और गिरफ्तारी के बाद की तस्वीरें) वीडियो बनाने वाली पुलिस खुद कानूनी घेरे में आ गई है। मर्यादा लांघने के आरोप में अब पुलिसकर्मियों के खिलाफ ही मामला दर्ज होने से महकमे में हड़कंप मच गया है। पब्लिसिटी की भूख या कानून का उल्लंघन? गृह मंत्री हर्ष संघवी अक्सर अपराधियों के मन में डर पैदा करने के लिए पुलिस की 'रील्स' और 'वीडियो' को प्रोत्साहित करते रहे हैं। इसी 'रवाड़े' (नक्शेकदम) पर चलते हुए कुछ उत्साहित पुलिस अधिकारियों ने मानवाधिकारों और अदालती दिशा-निर्देशों को ताक पर रख दिया। आरोपियों को सरेआम बेइज्जत करने और उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की होड़ ने पुलिस को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब रक्षक ही बन गए भक्षक सूत्रों के अनुसार, एक विशिष्ट मामले में पुलिस ने आरोपी की गरिमा को ठेस पहुंचाते हुए उसका After-Before वीडियो बनाकर वायरल किया था। इस मामले में न्यायालय और उच्चाधिकारियों के कड़े रुख के बाद, संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

घटना के मुख्य बिंदु • नियमों की अनदेखीः कानून के मुताबिक, सजा तय करना कोर्ट का काम है, लेकिन पुलिस सोशल मीडिया पर 'सिंघम' बनने की कोशिश में खुद जज बन बैठी।

• **सोशल मीडिया का दुरुपयोगः** सरकारी वर्दी में रील बनाना और आरोपियों के साथ दुर्व्यवहार को 'शौर्य' के रूप में पेश करना भारी पड़ा। • **कोर्ट की फटकारः** मानवाधिकारों के हनन को लेकर कोर्ट ने पहले भी कई बार ऐसी गतिविधियों पर नाराजगी जाहिर की थी।इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष का कहना है कि गृह मंत्री केवल पब्लिसिटी वाली पुलिसिंग चाहते हैं, जिसका खामियाजा अब जमीनी स्तर पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। महानगर मेट्रो का कड़ा रुखः पुलिस का काम अपराध रोकना और अपराधी को सलाखों तक पहुँचाना है, न कि वीडियो एडिटर बनकर सोशल मीडिया पर लाइक बटोरना। हर्ष संघवी के 'जोश' को 'होश' के साथ लागू न करने का नतीजा आज खाकी पर दाग बनकर लगा है।

अहमदाबाद में खूनी खेलः पार्किंग विवाद में युवक की बेरहमी से हत्या, पुलिस ने चंद घंटों में दबोचे 4 कातिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए हत्या की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा सनसनीखेज मामला शहर के माधवपुरा मार्केट (पुरानी पुलिस कमिश्नर कचहरी के पास) से सामने आया है। यहाँ महज पार्किंग जैसी मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी ने इतना हिंसक रूप ले लिया कि चार लोगों ने मिलकर एक युवक को सरेआम मौत के घाट उतार दिया।

पाइप और सरियों से किया हमला

जानकारी के अनुसार, माधवपुरा मार्केट में पार्किंग को लेकर मृतक और आरोपियों के बीच विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आवेश में आकर चार आरोपियों ने मिलकर युवक को घेर लिया। हमलावरों ने आव देखा न ताव, युवक पर लोहे के पाइप, टॉमी, सरिए और बेल्ट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाईः चारों आरोपी गिरफ्तार

वारदात की सूचना मिलते ही माधवपुरा पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी इनपुट की मदद से चंद घंटों के भीतर चारों आरोपियों को धर दबोचा।

बढ़ते अपराधों से दहशत में शहरवासी

अहमदाबाद में एक के बाद एक हो रही हत्या की घटनाओं ने स्थानीय लोगों में डर पैदा कर दिया है। शहर के व्यस्ततम मार्केट इलाके में हुई इस हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, पुलिस का कहना है कि उन्होंने आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। महानगर मेट्रो की अपीलः छोटी-छोटी बातों पर आवेश में न आएं। आपका एक पल का गुस्सा किसी की जान ले सकता है और आपको सलाखों के पीछे पहुँचा सकता है।

राहुल गांधी का बड़ा हमलाः बंगाल और असम के नतीजों को बताया 'चुनावी चोरी'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। चुनावी परिणामों के बाद अब बयानों के तीखे तीर चलने शुरू हो गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इन नतीजों पर अपनी पहली और कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे जनता के जनादेश का अपमान करार दिया है। राहुल गांधी ने सीधे तौर पर इन परिणामों को 'चुनावी चोरी' की संज्ञा दी है। 'संस्थाओं का हुआ दुरुपयोग 'राहुल गांधी ने नतीजों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह जीत लोकतंत्र की जीत नहीं, बल्कि मशीनरी और धनबल का दुरुपयोग है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह के नतीजे सामने आए हैं, वे जमीनी हकीकत और जनता की भावनाओं से मेल नहीं खाते। 'यह चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। इसे जनादेश कहना गलत होगा, यह स्पष्ट रूप से 'चुनावी चोरी' है। हम इस हार से डरने वाले नहीं हैं, बल्कि सच्चाई के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।' — **राहुल गांधी, विपक्ष के नेता (लोकसभा)**

विपक्ष ने घेरा, सरकार पर साधा निशाना

राहुल गांधी के इस बयान के बाद सियासी हलकों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई विसंगतियां थीं, जिसे लेकर वे अब जनता के बीच जाने की योजना बना रहे हैं। राहुल गांधी ने असम और बंगाल के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि यह संघर्ष लंबा है और हम संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भाजपा का पलटवारः 'हार स्वीकार करना सीखें राहुल '

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

हैरतअंगेजः मंदिरों के गढ़ में 'कमल' बेनूर, आखिर 90% हिंदुओं वाले तमिलनाडु में क्यों पिघल गई भाजपा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

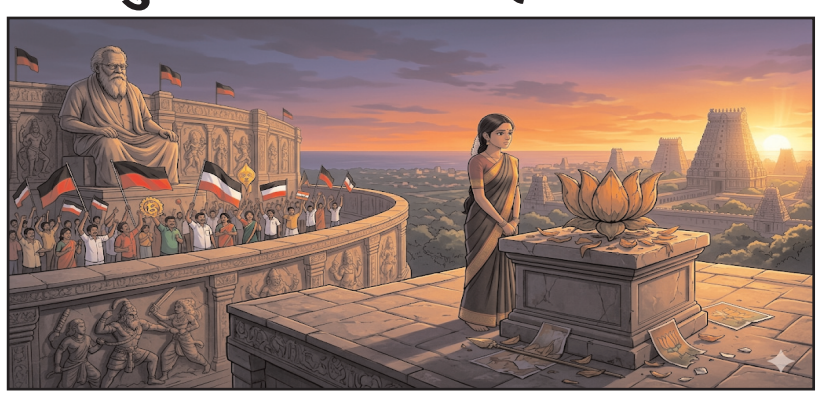

चेन्नई। तमिलनाडु—वह धरती जहां की हवाओं में मंत्र गूंजते हैं, जहां देश के सबसे भव्य और सर्वाधिक मंदिर हैं, और जहां की 90' आबादी हिंदू धर्म में अटूट आस्था रखती है। लेकिन जब बात चुनावी नतीजों की आई, तो आंकड़ों ने सबको सन्न कर दिया। सवाल उठ रहा है कि जो भाजपा उत्तर भारत में 'हिंदुत्व' के दम पर विजय पताका फहराती है, वह मंदिरों की इस पावन भूमि पर एक अदद सीट के लिए क्यों तरस गई?

धर्म बनाम द्रविड़ अस्मिताः जहाँ 'राम' नहीं 'पेरियार' की विचारधारा भारी है

तमिलनाडु की राजनीति का मिजाज देश के बाकी हिस्सों से बिल्कुल अलग है। यहाँ का हिंदू अपनी आस्था को घर और मंदिरों तक सीमित रखता है, लेकिन जब वह वोट डालने जाता है, तो उसके जेहन में 'धर्म' से बड़ा 'द्रविड़ गर्व' और 'तमिल पहचान' होती है।

- **द्रविड़ आंदोलन की विरासतः** दशकों से यहाँ की राजनीति पेरियार, अन्नादुरई और करुणानिधि की उस विचारधारा पर टिकी है जो 'हिंदी थोपे जाने' और 'उत्तर भारतीय राजनीति' के सख्त खिलाफ रही है।
- **क्षेत्रीय दल बनाम राष्ट्रीय दलः** यहाँ की जनता को लगता है कि भाजपा एक 'हिंदी भाषी बेल्ट' की पार्टी है।

डीएमके और एआईएडीएमके ने जनता के मन में यह बात गहरे तक उतार दी है कि उनके हितों की रक्षा केवल क्षेत्रीय दल ही कर सकते हैं।

मंदिरों का प्रदेश, पर विचारधारा का अवरोध

यह एक कड़वी हकीकत है कि तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मंदिर होने का मतलब यह कतई नहीं है कि वहां भाजपा की जमीन तैयार है।

'तमिलनाडु का हिंदू शिव और विष्णु का भक्त तो है, लेकिन वह उस हिंदुत्ववादी राजनीति को स्वीकार करने को तैयार नहीं है जिसे वह 'बाहरी' मानता है।' — **राजनीतिक विश्लेषक**

भाजपा ने यहाँ अपनी पैठ बनाने के लिए 'वेत्री वेल' (मुरुगन की पूजा) और काशी-तमिल संगमम जैसे बड़े आयोजन किए, लेकिन नतीजे बताते हैं कि ये कोशिशें द्रविड़ किलों की दीवारों में दरार तक नहीं डाल पाईं।

घातक विश्लेषणः आखिर भाजपा कहां चूकी?

1.भाषाई दीवारः हिंदी को बढ़ावा देने की केंद्र की कोशिशों को तमिलनाडु में 'सांस्कृतिक आक्रमण' के रूप में देखा जाता है।

2.स्थानीय नेतृत्व का अभावः अन्नामलाई जैसे कद्दावर नेताओं के बावजूद, भाजपा अभी भी यहाँ 'मोदी के चेहरे' पर निर्भर है, जबकि तमिल जनता अपने बीच के 'मिट्टी के नेता' को ढूंढती है।

3.गठबंधन का गणितः बिना किसी मजबूत क्षेत्रीय साथी के, भाजपा का अकेले लड़ना यहाँ 'राजनीतिक आत्महत्या' जैसा साबित हुआ है।

निष्कर्षः भक्ति और वोट का अलग-अलग रास्ता

तमिलनाडु के नतीजों ने दिल्ली के बड़े रणनीतिकारों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सिर्फ मंदिरों और धर्म के सहारे दक्षिण का द्वार नहीं खोला जा सकता।

यहाँ की सत्ता की चाबी धर्मग्रंथों में नहीं, बल्कि 'तमिल भाषा, संस्कृति और द्रविड़ पहचान' के बंद संदूकों में छिपी है।

महानगर मेट्रो का सवालः क्या भाजपा कभी दक्षिण की इस 'द्रविड़ दीवार' को लांघ पाएगी, या तमिलनाडु हमेशा की तरह राष्ट्रीय पार्टियों के लिए एक अनसुलझी पहेली बना रहेगा?

प्रतिभा का परचमः तखतगढ़ की बेटी राशी जैन ने आईसीएसई बोर्ड में गाड़े सफलता के झंडे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के प्रतिष्ठित क्वीन मैरी स्कूल ने एक बार फिर आईसीएसई (10वीं) परीक्षा में 100' परिणाम हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में चार चांद लगाए हैं मूलतः तखतगढ़ (राजस्थान) निवासी और मुंबई के अतिप्राचीन गोडीजी संघ से जुड़े प्रकाश जी घंटा वाले की पौत्री एवं प्रदीप कुमार की सुपुत्री राशी जैन ने। राशी ने 98.20' अंक प्राप्त कर न केवल स्कूल में दूसरा स्थान हासिल किया, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन किया है।

स्मार्ट वर्क और एकाग्रता बनी सफलता की कुंजी

स्कूल की 'सेकंड हेड गर्ल' के रूप में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने वाली राशी ने साबित कर दिया कि प्रबंधन और पढ़ाई के बीच संतुलन कैसे बनाया जाता है। अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'यह मायने नहीं रखता कि आप कितने घंटे पढ़ते हैं, बल्कि यह जरूरी है कि आप कितनी प्रभावशीलता से पढ़ते हैं।' वे अपनी एकाग्रता बढ़ाने के लिए ध्यान का सहारा लेती थीं और खुद को तरोताजा रखने के लिए नृत्य और कबड्डी को समय देती थीं।

बधाई देने वालों का लगा तांता

राशी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुंबई के जैन समाज और प्रवासी राजस्थानियों में खुशी की लहर है। इसी कड़ी में श्री अलर्ट ग्रुप गोडीजी और महावीर मानव सेवा ग्रुप द्वारा विशेष सम्मान और शुभकामनाएं दी गई। श्री गौतम जी और के. विक्रम सुराणा ने उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि ऐसी बेटियां शासन और संघ का नाम विश्व पटल पर अंकित करती हैं। ह्याह्याइस अवसर पर कुणाल भाई, धर्मेंद्र भाई, भरत भाई, प्रख्यात संगीतकार राहुल पामेचा, जेनम और अमन सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनपद भ्रमण पर निचलौल पहुंचे रेलवे बोर्ड के सलाहकार आलोक द्विवेदी, पत्रकारों ने किया जोरदार स्वागत।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। निचलौल (महराजगंज)।जनपद भ्रमण के आधिकारिक कार्यक्रम के तहत भारतीय रेलवे बोर्ड के सलाहकार *आलोक द्विवेदी* का निचलौल आगमन हुआ। इस दौरान वे पत्रकार एकता संघ के कार्यालय पहुंचे, जहाँ भारी बारिश और खराब मौसम के बावजूद उनके स्वागत में लोगों और पत्रकारों का भारी हुजूम उमड़ा रहा।

अध्यक्ष हेमंत कुमार दुबे ने की अगुवाई।

खराब मौसम के कारण सलाहकार श्री द्विवेदी अपने निर्धारित समय से लगभग दो घंटे देरी से पहुंचे, लेकिन कार्यालय पर मौजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। कार्यक्रम की अगुवाई पत्रकार एकता संघ के अध्यक्ष *हेमंत कुमार दुबे* ने की। कार्यालय पहुंचते ही संघ के पदाधिकारियों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। संघ के संरक्षक *रूपेश वर्मा* ने माल्यार्पण कर उनका विशेष अभिनंदन किया। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने रेलवे सुविधाओं और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी। सलाहकार आलोक द्विवेदी ने बेहद बेबाकी से सभी का जवाब दिया। पत्रकारों ने न केवल रेलवे से संबंधित मुख्य मुद्दों को उठाया, बल्कि पत्रकार हितों की रक्षा और सुरक्षा पर भी अपनी बात रखी। श्री द्विवेदी ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर पत्रकार समीर सिद्दीकी, गजेंद्र गुप्त, अश्वनी तिवारी, संपूर्णानंद पांडेय,सलाउद्दीन खान एवं राजन गुप्ता, इनामुल्लाह खान, शम्भू मद्धेशिया, बिकाऊ कसौधन, सतीश गुप्ता सहित पूर्व प्रधान बचनु चौधरी, प्रवीण चौधरी, पुरुषोत्तम चौधरी और विनय प्रताप सिंह सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुंबई-दिल्ली कॉरिडोर पर काल का कहरः एक ही परिवार के 3 सदस्यों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर पर रफ्तार का कहर एक हंसते-खेलते परिवार के लिए मातम में बदल गया। गोधरा के पास भाटपुरा गांव के समीप हुए एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार माता-पिता और उनके मासूम बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे में परिवार की इकलौती बेटी चमत्कारिक रूप से बच गई है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती कराया गया है।

वतन वापसी की राह बनी मौत का सफर

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार अपनी कार से अपने वतन की ओर जा रहा था। गोधरा के भाटपुरा गांव के पास कॉरिडोर पर उनकी कार आगे चल रहे एक वाहन में इतनी जोर से पीछे से घुसी कि कार का कचूमर निकल गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह लोहे के मलबे में तब्दील हो गया और कार के भीतर सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

चीख-पुकार के बीच बिछ गई लाशें

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस ने बताया कि दृश्य बेहद भयावह था। कार के परखच्चे उड़ चुके थे और चारों तरफ चीख-पुकार मची थी।

• **मृतक:** हादसे में पिता, माता और उनके पुत्र की घटनास्थल पर ही सांसें थम गईं। • **घायल:** परिवार की मासूम बेटी को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। वह गहरे सदमे में है और उसका इलाज अस्पताल में जारी है। कॉरिडोर पर पसरा सन्नाटा और मातम घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को रास्ते से हटाया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों के इस तरह असमय चले जाने से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

महानगर मेट्रो की अपील: एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें और सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। आपकी सतर्कता ही आपके परिवार की सुरक्षा है।

किसानों को जागरूक करने गांव-गांव पहुंचेंगा कृषि रथ

विकसित कृषि संकल्प अभियान 5 मई से 20 मई 2026 तक जिले के 96 ग्रामों में शिविर का होगा आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. कृषि विभाग द्वारा जिले में खरीफ पूर्व विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 5 मई से 20 मई 2026 तक किया जाएगा। जिसके तहत जिले में कुल 96 ग्रामों में शिविर आयोजित की जाएगी। जिसके लिए जिले के प्रत्येक विकासखंड के 24 ग्रामों का चयन किया गया है। शिविरों में किसानों को एक ही मंच पर कृषि, उद्यानिकी,

पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

अभियान अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में दो अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है,

जो किसानों को खरीफ फसलों की तैयारी हेतु तकनीकी सलाह एवं सुझाव देंगी।

उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकों के प्रति किसानों को जागरूक करना, किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी देना तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि रथ भी शामिल किया गया है, जो टीम के साथ गांव-गांव जाकर केंद्र एवं राज्य शासन की प्रमुख योजनाओं की जानकारी देगी। यह अभियान किसानों, पशुपालकों, मत्स्य पालकों एवं कृषि से जुड़े स्थानीय उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच होगा, जहां सभी विभागों के अधिकारी चर्चा कर समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे। इसमें स्थानीय एफपीओ, एसएचजी, प्रगतिशील किसान एवं जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता रहेगी।

इसके साथ ही अभियान अंतर्गत उन्नत तकनीक एवं नई किस्मों की जानकारी,

प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा, मृदा स्वास्थ्य सुधार हेतु जैविक खाद एवं जैव उर्वरकों का उपयोग,

संतुलित उर्वरक उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व तथा हरी खाद, जैव उर्वरक, वर्मी कम्पोस्ट, अन्य उत्पादन एवं उपयोग, ड्रोन के माध्यम से उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन,

धान की आधुनिक रोपाई तकनीक, किसान क्रेडिट कार्ड हेतु प्रोत्साहन, दलहन-तिलहन क्षेत्र का विस्तार, फसल चक्र एवं सिंचाई संसाधनों का समुचित उपयोग,

एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसान आईडी निर्माण, पीएम किसान योजना अंतर्गत ई-केवाईसी, आधार सीडिंग एवं पंजीयन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी दी जाएगी।

ममता का 'महासंग्राम': इस्तीफा देने से साफ इनकार, कहा- 'हमें हराया नहीं गया, हारने पर मजबूर किया गया '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य में राजनीतिक संकट गहरा गया है। भाजपा की प्रचंड जीत के बावजूद, निवर्तमान मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपनी हार स्वीकार करने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने कड़े तेवर दिखाते हुए ऐलान किया है कि वह इस्तीफा देने के लिए 'लोकभवन' नहीं जाएंगी। राजभवन जाकर इस्तीफा देने की परंपरा को दरकिनार करते हुए ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की हार नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश है। 'मैं इस्तीफा देने के लिए लोकभवन नहीं जाऊंगी क्योंकि हम मानते ही नहीं कि हम हारे हैं। सच तो यह है कि हमें 'हारने के लिए मजबूर' किया गया है। अगर यह एक निष्पक्ष हार होती, तो मैं अब तक इस्तीफा दे चुकी होती। लेकिन अगर कोई सोचता है कि मैं दबाव में आकर झुक जाऊंगी, तो वह कभी नहीं होगा। '

— ममता बनर्जी, अध्यक्ष, TMC

ममता बनर्जी के इस स्टैंड ने बंगाल में एक नया संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। चुनाव नतीजों में बहुमत का आंकड़ा पार करने वाली पार्टी (भाजपा) अब सरकार बनाने का दावा पेश करने की तैयारी में है, लेकिन मुख्यमंत्री का इस्तीफा देने से इनकार करना राज्य की राजनीति को संघर्ष की ओर ले जा रहा है।

• चुनावी प्रक्रिया में धांधली और केंद्रीय मशीनरी का दुरुपयोग।

• जनता के असली जनादेश को 'बलात' बदलने का प्रयास।

• दबाव की राजनीति के खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ने का संकल्प। भाजपा का रुखः 'जनादेश का अपमान कर रही हैं दीदी ' दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी के इस फैसले की कड़ी निंदा की है। कि ममता बनर्जी हार को पचा नहीं पा रही हैं और संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन कर रही हैं। भाजपा ने मांग की है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। बंगाल की राजनीति अब गलियों से निकलकर राजभवन और अदालतों के दरवाजों तक पहुँच सकती है। '

जिला पंचायत सदस्य विभा साहू ने उठाई आवाज, कंपनियों को दी चेतावनी प्रदूषण रोको, वरना होगी उच्च स्तरीय शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। शिवनाथ नदी में औद्योगिक इकाइयों द्वारा छोड़े जा रहे दूषित पानी से आसपास के गांवों के लोग परेशान हैं। इस मुद्दे को लेकर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कड़ा रुख अपनाया है जिससे प्रशासन और संबंधित कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 अर्जुनी की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विभा साहू ने झींका स्थित धनलक्ष्मी पेपर मिल को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि कंपनी का गंदा पानी सीधे शिवनाथ नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। इससे ग्राम सुखरी, बरसनटोला और अन्य निचले क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नदी का पानी उपयोग योग्य नहीं रह गया है पशुओं के पीने के लिए भी असुरक्षित हो चुका है दूषित पानी से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है भूजल स्तर भी प्रभावित हो रहा है ग्रामीणों में इस स्थिति को लेकर गहरा आक्रोश है।

श्रीमती साहू ने अपने पत्र में स्पष्ट कहा है कि यदि कंपनी द्वारा दूषित पानी के प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो ग्रामीणों द्वारा उच्च स्तर पर शिकायत दर्ज कराई जाएगी जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह कंपनी की होगी। इस मामले में ढुल्स पेट फूड प्राइवेट लिमिटेड ने ग्राम पंचायत सुखरी के पत्र का जवाब देते हुए कहा है कि कंपनी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए प्रयोग किए गए पानी को नाली में बहाने की प्रक्रिया रोक दी है भविष्य में भी दूषित पानी नहीं छोड़ा जाएगा इसका आश्वासन दिया गया है बारिश के पानी के उचित निकास के लिए ग्राम पंचायत से सहयोग मांगा गया है स्थानीय कर्मचारियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करने की बात भी कही गई है विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह का औद्योगिक प्रदूषण न केवल जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाता है बल्कि जलजनित बीमारियों को बढ़ावा देता है कृषि और पशुपालन पर असर डालता है लंबे समय में पूरे क्षेत्र की पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचा सकता है अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और कंपनियां अपने वादों पर कितना अमल करती हैं। ग्रामीणों की नजर अब ठोस समाधान पर टिकी है। राजनांदगांव में यह मामला सिर्फ एक स्थानीय समस्या नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह संकट और गहरा सकता है।

निंबावास में उमड़ा जनसैलाबः रात्रि चौपाल और ग्राम रथ यात्रा के जरिए समस्याओं का मौके पर समाधान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 4 मई 2026 को छुरिया जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भण्डारपुर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस जनसमस्या निवारण शिविर में भण्डारपुर कलस्टर के ग्राम पंचायत भंडारपुर, बोईरडीह, घोघरे, हालेकोसा, जरहामहका, झिथराटोला, कल्लूटोला, लालूटोला, मगरधोखरा, महाराजपुर, नागरकोहरा, पिनकापार, पुर्रामटोला, रामपुर, रंगीटोला, शिकारीमहका, शिकारीटोला कुल 17 ग्राम पंचायत को सम्मिलित कर आयोजित किया गया।

शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, विद्युत, वन, श्रम, पशुपालन सहित कुल 23 विभागों की सहभागिता रही।

शिविर में विभागीय मांगों एवं शिकायतों का त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निराकरण करने के उद्देश्य से विभागीय स्टॉल में ग्रामीणों द्वारा मांगों एवं शिकायतों से संबंधित कुल 692 आवेदन प्राप्त हुए।

जिसमें मांग से संबंधित 689 एवं शिकायत से संबंधित 3 आवेदन थे। प्राप्त आवेदनों पर निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। निराकरण पश्चात आवेदक को सूचित किया जाएगा।

शिविर में शासन की विभिन्न योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इनमें मनरेगा अंतर्गत नवीन जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास पूर्णता पर अभिनंदन प्रमाण पत्र, नवीन राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति पत्र, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छताग्राहियों को स्वच्छता किट, मछली जाल,

आईस बॉक्स तथा विकासखंड अंतर्गत मेधावी छात्रों को सम्मान पत्र का वितरण किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग ने गोदभराई और अन्नप्राशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य गोपाल सिंह भूआर्य, श्रीमती अनीता मंडावी एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बीरम मंडावी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती चुनिया कंवर, श्रीमती भेषबाई साहू, पलनी स्वामी नायडू एवं अन्य जनपद पंचायत सदस्य, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव श्रीकांत कोर्राम, तहसीलदार छुरिया श्रीमती आकांक्षा साहू,

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छुरिया होरीलाल साहू सहित ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की जीतः घरों में झाड़ू-पोछा करने वाली कलीता माजी बनीं विधायक, रचा इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुवाहाटी। इसे कहते हैं लोकतंत्र की असली ताकत! जहाँ एक ओर राजनीति में धनबल और बाहुबल का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वहीं कलीता माजी की जीत ने साबित कर दिया है कि अगर इरादे नेक हों और जनता का साथ हो, तो एक साधारण इंसान भी सत्ता के शिखर तक पहुँच सकता है। दूसरों के घरों में चूल्हा-चौका और साफ-सफाई का काम करने वाली कलीता माजी अब विधानसभा में बैठकर जनता की किस्मत का फैसला करेंगी।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

कलीता माजी की कहानी किसी फिल्म की पटकथा जैसी लगती है, लेकिन यह हकीकत है। परिवार पालने के लिए कलीता बरसों से दूसरों के घरों में कामकाजी महिला के तौर पर काम करती थीं। गरीबी और अभावों के बीच रहते हुए भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और समाज सेवा से जुड़ी रहीं। उनके इसी समर्पण को देखते हुए पार्टी ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें चुनावी मैदान में उतारा। चुनाव परिणामों ने सबको चौंका दिया। कलीता माजी ने अपने प्रतिद्वंदियों को मात देकर विधायक की कुर्सी हासिल की है। उनकी इस जीत पर पूरे इलाके में जश्न का माहौल है। लोगों का कहना है कि कलीता हमारी अपनी हैं, उन्होंने हमारी गरीबी देखी है, इसलिए वे हमारी समस्याओं को बेहतर ढंग से समझ पाएंगी। 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि जिस हाथ में झाड़ू रहती थी, आज वही हाथ जनता की सेवा के लिए विधानसभा में उठेगा। यह मेरी नहीं, हर उस गरीब की जीत है जो मेहनत की कमाई खाता है। '

— कलीता माजी, नवनिर्वाचित विधायक

कलीता माजी की जीत उन लोगों के लिए एक बड़ा सबक है जो यह मानते हैं कि राजनीति केवल अमीरों या खानदानी रसूख वालों का खेल है। एक साधारण 'कामवाली' का विधायक बनना यह संदेश देता है कि:

• ईमानदारी और सादगी आज भी मतदाताओं को प्रभावित करती है।

• लोकतंत्र में वोट की चोट से कोई भी बदलाव मुमकिन है।

• जनप्रतिनिधि बनने के लिए डिग्री या दौलत से ज्यादा 'दिल' की जरूरत होती है।

महानगर मेट्रो कलीता माजी के जज्बे को सलाम करता है। उम्मीद है कि वे सदन में उन हजारों दबे-कुचले लोगों की आवाज बनेंगी जिनके हक के लिए आज तक कोई नहीं बोला।

उद्योग जगत की खुशी बंगाल के फिर से निवेश और नौकरियों का केंद्र बनने का संकेत है

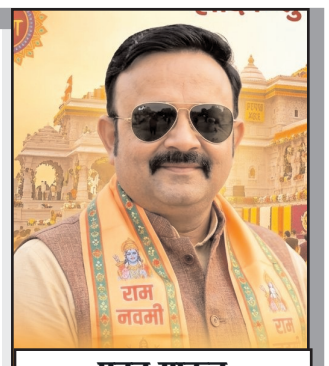

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम केवल राजनीतिक बदलाव ही नहीं लाये बल्कि राज्य के आर्थिक भविष्य को लेकर नई उम्मीदें भी जगाई हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका की प्रतिक्रिया ने इस चर्चा को और गति दी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल का व्यापारिक वर्ग इस परिणाम से खुश है और अब विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी की यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि पहली बार उसने पश्चिम बंगाल में सरकार बनाई है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के शासन का अंत हुआ है। इस बदलाव से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद की जा रही है, जो विकास परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों का असर बाजार में भी तुरंत दिखाई दिया। सेंसेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और कोलकाता की कई कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक स्थिर और स्पष्ट नीतियों को प्राथमिकता देते हैं। जब राज्य और केंद्र की सरकारें एक दिशा में काम करती हैं, तो निवेश का माहौल बेहतर बनता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की यह तेजी शुरूआती प्रतिक्रिया हो सकती है। दीर्घकाल में आर्थिक स्थिति कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगी, जैसे वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतें।

उद्योग जगत को उम्मीद है कि अब बड़े आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। निवेश की मंजूरी की प्रक्रिया आसान हो सकती है और नियमों में स्पष्टता आएगी। इससे निजी और सरकारी दोनों तरह के निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं का विस्तार भी राज्य में तेजी से हो सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय और मांग बढ़ने की संभावना है। कई उद्योग संगठनों ने भी इस परिणाम का स्वागत करते हुए निवेश के माहौल में सुधार की उम्मीद जताई है।

अगर विभिन्न क्षेत्रों की बात करें, तो आधारभूत ढांचा और निर्माण क्षेत्र को सबसे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना है। सड़क, बंदरगाह और औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिल सकती है। अचल संपत्ति क्षेत्र में भी सुधार की उम्मीद है। चाय, कृषि और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में नई योजनाएं विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में कर्ज वितरण बढ़ सकता है, खासकर छोटे उद्योगों और आवास क्षेत्र में।

इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी सामने हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से दबाव में है। वित्तीय घाटा और कर्ज का स्तर ऊंचा बना हुआ है। ऐसे में नई सरकार के लिए अपने वादों को संतुलित तरीके से लागू करना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल राजनीतिक बदलाव पर्याप्त नहीं है। नीतियों का सही क्रियान्वयन और वित्तीय अनुशासन ही लंबे समय में वास्तविक परिणाम तय करेंगे। वैसे आम लोगों के लिए इस बदलाव का अर्थ है संभावित रूप से अधिक रोजगार के अवसर और बेहतर आर्थिक गतिविधियां। अगर निवेश बढ़ता है और उद्योग विकसित होते हैं, तो राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार हो सकता है। इससे जीवन स्तर और बाजार की स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम बंगाल अभी भी निवेश के मामले में अन्य राज्यों से पीछे है। विदेशी निवेश कम रहा है और विनिर्माण क्षेत्र की गति भी धीमी रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सेवाओं का योगदान अधिक है, जबकि औद्योगिक विकास को और मजबूत करने की जरूरत है। व्यापार करने की सुविधा से जुड़े पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। जमीन की उपलब्धता, मंजूरी की प्रक्रिया और नियमों की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर सुधार जरूरी है।

हम आपको याद दिला दें कि पश्चिम बंगाल का औद्योगिक इतिहास कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता था। एक समय ऐसा था जब यह राज्य अपने कारखानों और उद्योगों के कारण पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहचान रखता था। दूसरे राज्यों से लोग यहां रोजगार की तलाश में आते थे। लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती चली गई। पहले वामपंथी सरकारों की नीतियों के कारण उद्योगों पर दबाव बढ़ा और धीरे धीरे कई कारखाने बंद होने लगे। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार और नीतिगत अनिश्चितता को लेकर भी सवाल उठते रहे, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ममता बनर्जी के आंदोलन के चलते सिंगूर में टाटा नैनो परियोजना के बंद होने की घटना के बाद बंगाल में बड़े उद्योग लगाने को लेकर निवेशकों में एक तरह की हिचक पैदा हो गई। परिणाम यह हुआ कि रोजगार के अवसर घटे और लोगों का पलायन बढ़ने लगा। हालांकि अब जब भाजपा की सरकार बनी है, तो उद्योग जगत में एक बार फिर सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं। कई उद्योग संगठनों का कहना है कि वह आने वाले समय में सरकार को नई परियोजनाओं की रूपरेखा सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को फिर से गति मिल सकती है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल एक नए अवसर के दौर में प्रवेश कर रहा है। अगर नई सरकार योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करती है और निवेश के अनुकूल माहौल बनाती है, तो राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा मिल सकती है।

संपादकीय

दक्षता घटाती कोचिंग

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलतः वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने यानी कुछ विषयों अनुतीर्ण होने से बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेहह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए, जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई-कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है।

दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलतः कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर-तरीकों से छात्रों को ह्यस्पून फीडिंगह्न की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार-बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ-स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं।

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए।

जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

श्रीमद् भगवद गीता सीरीज़: चैप्टर - 4 (ज्ञानकर्मसंन्यास योग)

ज्ञान के दीये से अज्ञान के अंधेरे को रोशन करें: जब कृष्ण ने रहस्यों के दरवाज़े खोले!

महानगर मेट्रो

ज्ञान सिर्फ़ किताबों के पन्नों में नहीं है, बल्कि यह ज़िंदगी के पन्नों को खोलने की ताकत है। हम सब अपने काम में बिज़ी रहते हैं। सुबह से शाम तक भागदौड़, ज़िम्मेदारियाँ और रिश्ते। लेकिन क्या आपने कभी महसूस किया है कि यह सब करने के बावजूद मन में एक अजीब तरह का खालीपन या लगातार शक रहता है? चैप्टर - 3 में हमने देखा कि कर्म करना ज़रूरी है, लेकिन चैप्टर - 4 में श्री कृष्ण एक कदम आगे बढ़कर बताते हैं कि जब 'कर्म' बिना 'ज्ञान' के किया जाता है, तो वह बोझ बन जाता है। यह चैप्टर उन लोगों के लिए है जो अपनी ज़िंदगी के 'क्यों' और 'कैसे' में फंसे हुए हैं। यहाँ भगवान सिर्फ़ एक सारथी के तौर पर नहीं, बल्कि एक गुरु के तौर पर आते हैं जो समय की सीमाओं को तोड़ते हैं और रहस्यों को खोलते हैं।

अवतार का मकसदः भगवान क्यों आते हैं?

जब समाज में नैतिकता गिरती है, तो भगवान व्यवस्था को ठीक करने के लिए अवतार लेते हैं। लेकिन यह सिर्फ़ एक ऐतिहासिक घटना नहीं है। यह हमारे अंदर की चेतना की जीत है। भगवान का असली अवतार तब होता है जब आप अपने डर और अज्ञान को छोड़कर सच्चाई के रास्ते पर चलने का फैसला करते हैं।

क्या आप कर्म की बेड़ियों को तोड़ना चाहते हैं? तो ज्ञान का हथियार उठाओ!

कृष्ण कहते हैं, 'जैसे जलती हुई आग लकड़ी को जलाकर राख कर देती है, वैसे ही ज्ञान की आग सारे कर्मों को जला देती है। जब काले पत्थर जैसा ठंडा लोहा धधकती आग में पड़ता है, तो वह अपना काला रंग और सख्ती छोड़ देता है। वह आग की तरह लाल और चमकीला हो जाता है। गंदगी उसे छूते ही जल जाती है। इसी तरह, जब हमारे 'कर्म' ज्ञान की भट्टी में मिल जाते हैं, तो उसमें स्वार्थ की गंदगी नहीं रहती। ज्ञान आपके कर्म को बंधन नहीं, बल्कि मुक्ति का रास्ता बनाता है।

श्रद्धावान लभते ज्ञानम: शक करने वाला मन कभी खुश नहीं रहता।

आज के 'इन्फॉर्मेशन एक्सप्लोजन' के ज़माने में, हमारे पास फैक्ट्स तो बहुत हैं, लेकिन विश्वास नहीं। कृष्ण साफ कहते हैं कि जो लोग शक में जीते हैं, उनका विनाश पक्का है।

ज्ञान पाने के लिए अक्ल चाहिए, लेकिन ज्ञान को पचाने के लिए विश्वास चाहिए। कर्म में कोई काम न करना एक ट्रैफिक पुलिसवाले की तरह है। एक ट्रैफिक पुलिसवाला अपनी ड्यूटी करता है, गाड़ियों को रोकता है, उन्हें जाने देता है, लेकिन उसे किसी गाड़ी से प्यार नहीं होता। भले ही वह गाड़ी पर हो। रास्ते से, वह रास्ते से अलग हो जाता है। कृष्ण हमें यही 'अलग लगाव' सिखाते हैं। शक का त्याग और कर्म की शुरुआत। चैप्टर के आखिर में, कृष्ण अर्जुन को आदेश देते हैं 'उठो अर्जुन! अपने दिल में इस अज्ञान के शक को ज्ञान की तलवार से काट दो और अपने कर्तव्य के रास्ते पर आगे बढ़ो।' शक मन का कैंसर है। ज्ञान ही वह दवा है जो आपको अंदर से मजबूत बनाती है।

(क्रमशः: अगले चैप्टर 5 में, हम 'कर्म संन्यास योग' को समझेंगे— क्या सब कुछ छोड़ देना सच में सबसे अच्छा है?)

- दर्शना पटेल (नेशनल अवॉर्ड विनर) स्पोर्ट्स टीचर।

किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

ललित गर्ग

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।

इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-'किराये की संतान'। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है।

हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाजारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाजार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। 'किराये की संतान' का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

बहन पर डाली गंदी नजर तो दोस्त ने ले ली दोस्त की जान, स्कूटी चलाते वक्त पीछे से मारा चाकू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुखर्जी नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह स्कूटी में पीछे बैठे नाबालिग ने स्कूटी चला रहे अपने दोस्त अमान (19) को पीछे से चाकू मार दिया । चाकू लगते ही अमान ने जैसे ही स्कूटी रोकी, आरोपी फरार हो गया। करीब आधे घंटे तक घायल सड़क किनारे तड़पता रहा। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान तीन घंटे बाद अमान ने दम तोड़ दिया।

मीट शॉपर पर काम करता था अमान

पीड़ित परिवार के बयान पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, आरोपी का कहना है कि अमान उसकी बहन पर अश्लील कमेंट करता था, इस वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक अमान परिवार के साथ अशोक विहार स्थित संगम पार्क में रहता था। बुराड़ी स्थित संगम विहार में एक मीट शॉप पर काम करता था।

खून ज्यादा बह जाने के कारण मौत

अमान के भाई रहमान ने बताया कि सोमवार सुबह 9 बजे अमान घर से अपने दोस्त के साथ निकला था। करीब आधे घंटे के बाद उन्हें किसी ने जानकारी दी कि उनके भाई को किसी ने चाकू मार दिया है। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि हालत गंभीर है, बाद में डॉक्टर ने भाई को मृत घोषित कर दिया। पीछे बैठे आरोपी ने अमान पर चाकू से 6 हमले किए। काफी खून बहने के कारण अमान की मौत हो गई। दोनों रोज एक साथ जाते थे ड्यूटी पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी ने इस वारदात को क्यों अंजाम दिया। इसकी जानकारी उनके पास नहीं है। वह रोजाना एक साथ ड्यूटी पर जाते और आते थे। पीड़ित परिवार का कहना है

लव मैरिज से भड़के युवती के भाइयों ने जीजा को फेंका ट्रेन के आगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर से एक नृशंस हत्या का मामला सामने आया है. दरअसल, यहां के स्योहारा कस्बे के गांव जुझैला निवासी दलित समाज के युवक गुलशन का गांव रहटोली की रहने वाली एक युवती से पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था. वे दोनों आपस में शादी भी करना चाहते थे लेकिन दोनों की जातियां अलग-अलग होने के कारण परिजन इसके लिए तैयार नहीं थे समाज में इज्जत की खातिर लड़की के परिजनों ने कई बार गुलशन और अपनी बेटी को भी समझाया और प्रेम संबंध समाप्त करने के लिए बाध्य किया लेकिन दोनों इसके लिए तैयार नहीं हुए.

अभी एक हफ्ते पहले दोनों ने परिवार की चोरी से कोर्ट मैरिज कर ली और कोर्ट मैरिज करने के बाद युवती चुपचाप अपने परिवार के पास जाकर रहने लगी. लेकिन जब परिवार को यह पता लगा कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया. उन्होंने इसके लिए अपनी बेटी के प्रेमी को ही रास्ते से हटाने का निर्णय लिया और योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या करने की ठान ली. जब 29/ 30 अप्रैल की रात को वह जब अपनी प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा तो वहां पहले से घात लगाए लड़की के भाई अतर सिंह, पुष्पेंद्र और रजनीश सैनी ने अपने और 10 से 12 साथियों के साथ मिलकर गुलशन को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई करते हुए उसे गांव के पास से गुजर रही रेलवे लाइन पर ले गए. उन्होंने सामने से आ रही देहरादून हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के सामने उसे धक्का देकर उसकी हत्या कर दी. सवेरे उसकी लाश रेलवे ट्रैक पर मिली तो परिजन मौके पर पहुंचे पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इस दौरान परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी बहू के परिजनों ने बेटे की हत्याकर उसे ट्रैक पर फेंका है, लेकिन पुलिस उसे हादसा मानकर कार्रवाई कर रही थी. जब पोस्टमार्टम के बाद गुलशन की लाश गांव पहुंची तो परिजनों ने गांव वालों के साथ मिलकर उसके शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया. उनका आरोप था कि पहले पुलिस लड़की के परिजनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करे उसके बाद ही वह शव का अंतिम संस्कार करेंगे. सूचना मिलने के बाद आजाद समाज पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी गांव में पहुंच गए 26 घंटे तक गांव में मुकदमा दर्ज करने को लेकर हंगामा चलता रहा 26 घंटे बाद पुलिस ने मृतक के पिता नृपेंद्र की तहरीर पर लड़की के भाई और उसके 10 से 12 साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया तब जाकर 28 घंटे बाद गुलशन के शव का अंतिम संस्कार किया गया. इसके बाद पुलिस ने जांच करते हुए जब युवती के बयान और उसके भाइयों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया तो पूरी घटना का खुलासा हो गया.

दिल्ली में आग का अलार्म ! अप्रैल में 73% उछाल, चार महीनों में 32 मौतों से मचा हड़कंप

जबकि जनवरी से अप्रैल के बीच 32 लोगों की मौत हुई है। ग का अलार्म! अप्रैल में 73% उछाल, चार महीनों में 32 मौतों से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में इस साल अप्रैल में आग लगने की घटनाओं में मार्च की तुलना में 73 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जबकि जनवरी से अप्रैल के बीच 32 लोगों की आग लगने से संबंधित घटनाओं में मौत हुई है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) की 'कॉल समरी 2026' के अनुसार, सिर्फ अप्रैल में आग लगने से संबंधित 2,663 कॉल आईं, जो मार्च की 1538 और फरवरी की 1096 घटनाओं की तुलना में काफी ज्यादा है। जनवरी में आग लगने की सूचना देने वाली 1,396 कॉल आई। साल के शुरुआती चार महीनों में आग लगने की कुल 6693 घटनाएं हुईं। आग लगने की घटनाओं, पशुओं को बचाने और अन्य सहायता सहित आपातकालीन कॉलों की कुल संख्या भी अप्रैल में बढ़कर 3,914 हो गई। जनवरी से अप्रैल तक डीएफएस को आई कॉलों की कुल संख्या 12,008 रही।

अधिकारियों के मुताबिक, अप्रैल में हुई इस वृद्धि का संबंध बढ़ते तापमान और कूड़े में आग लगने की घटनाओं में वृद्धि से हो सकता है। आंकड़ों से पता चला है कि कूड़े में आग लगने की घटनाएं जनवरी में 441 से बढ़कर अप्रैल में 725 हो गईं हताहतों की संख्या के संदर्भ में, मार्च में आग लगने की घटनाओं के कारण सबसे अधिक 15 मौतें दर्ज की गईं, इसके बाद जनवरी और फरवरी में छह-छह और अप्रैल में पांच मौतें हुईं।

कम से कम 10 लोगों की मौत

मई में अब तक कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार को पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई, जिसमें दो परिवारों के नौ लोगों की मौत हो गई। माना जा रहा है कि एयर कंडीशनर के फटने से आग लगी। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान सभी आपातकालीन श्रेणियों में कुल मौतों की संख्या 428 रही। आग लगने की घटनाओं के बढ़ने के बावजूद, कर्मियों की त्वारित कार्रवाई से 837 लोगों की जान बचाई जा सकी। सिर्फ अप्रैल में ही 261 लोगों को बचाया गया।

जालौन में पति-पत्नी एक ही कमरे में फांसी के फंदे पर झूले, 6 माह की मासूम बच्ची चारपाई पर सोती मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरिया खुर्द में एक युवक और उसकी पत्नी ने कथित तौर पर पारिवारिक कलह के चलते एक ही कमरे में अलग-अलग फंदों से झूलकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उनकी 6 माह की बच्ची चारपाई पर सो रही थी, जिसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। परिजनों के मुताबिक, दोनों के बीच विवाद हुआ था। वहीं, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। कमाई को लेकर था विवाद जानकारी के अनुसार, मृतकों की

पहचान ग्राम बिरिया खुर्द निवासी 22 वर्षीय विवेक कुमार और उसकी पत्नी साधना (20) के रूप में हुई है। विवेक पेशे से मजदूर था और उसकी कोई खुद की खेती नहीं थी। वह अपने परिवार का भरण-पोषण मजदूरी करके कर रहा था। दो साल पहले उसने गोहन गांव निवासी साधना से शादी की थी और उसकी 6 माह की एक बेटी भी है। विवेक के पिता रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि विवेक और साधना अलग ही कमरे में रहते थे। दो दिन पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। साधना चाहती थी कि यहां कमाई ठीक नहीं हो रही है, इसलिए विवेक कहीं बाहर जाकर काम करे। हालांकि, विवेक घर छोड़कर जाने को तैयार नहीं था, लेकिन खेती के अलावा उसके पास कमाई के कोई दूसरे साधन भी नहीं थे। कमरे में फांसी के फंदे से झूलते मिले दंपति रामप्रसाद ने बताया कि सोमवार की रात को उनके बीच कोई ऐसा झगड़ा नहीं हुआ था, जिससे अंदाजा लगता कि मामला इतना बढ़ जाएगा। मंगलवार की सुबह जब वह बेटे के कमरे के पास से गुजरे, तो कोई आवाज नहीं सुनाई दी। चिंतित होकर जब उन्होंने खिड़की से झांका तो देखा कि विवेक और साधना दोनों एक ही बल्ली से लटके हुए थे। विवेक ने अंगौछे के फंदे से तो साधना ने साड़ी के पल्लू से फंदा लगाया था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शवों को नीचे उतारा घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सीओ शैलेंद्र बाजपेयी पहुंचे। उन्होंने दरवाजा तोड़कर दोनों को फंदे से नीचे उतारा। सीओ शैलेंद्र बाजपेई ने बताया कि कमरे में छत नहीं थी, उसके स्थान पर टीन शेड लगा हुआ था। उसी टीन शेड की एक लंबी बल्ली पर लगभग दो फीट की दूरी पर दोनों ने अलग-अलग फंदे लगाए थे। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है।

दिल्ली-NCR की हवा एकदम साफ, AQI 100 के भी नीचे, आंधी-बारिश का मिला फायदा

दिल्ली में मौसम का मिजाज क्या बिगड़ा राजधानी की हवा एकदम साफ हो गई। पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण दिल्ली का AQI गिरकर 100 के भी नीचे आ गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी को इस साल की सबसे साफ हवा सोमवार को मिली। 25 दिन बाद एक्यूआई 100 से नीचे पहुंचा है। हालांकि यह राहत आंशिक रहेगी। पूर्वानुमान के अनुसार आज से प्रदूषण फिर बढ़कर सामान्य स्थिति में पहुंच जाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण (सीपीसीबी) के एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई महज सोमवार को 88 रहा। मुख्य प्रदूषक एनओ-2, ओजोन और कार्बन मोनोऑक्साइड रहे। हालांकि सोमवार को 47 में से 40 स्टेशन के आधार पर ही एक्यूआई जारी किया गया। इससे पूर्व 8 अप्रैल को एक्यूआई 93 था। इस साल अब तक यह तीसरा दिन था जब एक्यूआई 100 से नीचे रहा है। इसमें ह्य अप्रैल और 20 मार्च को एक्यूआई 93 रहा था। शादीपुर की हवा सबसे साफ रही। यहां का एक्यूआई महज 46 रहा। दिल्ली के अलावा फरीदाबाद का एक्यूआई 73, गाजियाबाद का 114, ग्रेटर नोएडा का स्9, गुरुग्राम का 104 और नोएडा का स्6 रहा।

पूर्वानुमान के अनुसार 5 से 7 मई तक प्रदूषण का स्तर सामान्य रहेगा। इसके बाद यह सामान्य से खराब स्तर पर आ सकता है। सोमवार को हवाओं की गति 20 से 70 किमी प्रति घंटे की रही। मंगलवार को यह 12 से 40 किमी प्रति घंटे, बुधवार को 12 से 20 किमी प्रति घंटे रह सकती है।

दिल्ली-एनसीआर से हटा GRAP-v

राजधानी में पिछले 6 दिन से प्रदूषण का स्तर कम बना हुआ है। इसी को देखते हुए कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट की सब कमिटी ने सोमवार को हालात का जायजा लिया और तुरंत प्रभाव से GRAP (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के पहले चरण को हटा दिया गया। 16 अप्रैल को प्रदूषण के खराब स्तर पर पहुंचने के बाद GRAP-v लागू किया गया था। सोमवार को बारिश और प्रदूषण में कमी के बाद सब कमिटी की बैठक हुई, जिसमें मौसमी हालात अनुकूल होने पर दिल्ली-एनसीआर से GRAP-v को हटाने का फैसला लिया। सभी एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण को काबू में रखने के लिए जरूरी कदम लगातार जारी रखें। कमिटी ने साफ किया है कि प्रदूषण के स्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

राजधानी में घटी बिजली की खपत

मौसम में बदलाव के बाद पिछले दो दिनों से मांग 200-300 मेगावॉट कम है। तेज धूप और उमस के चलते अप्रैल में आखिरी दिनों में ही डिमांड 7000 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। सोमवार को दिल्ली में बिजली की मांग 5159 मेगावॉट रही, जो काफी कम है। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार पावर डिमांड पूरी तरह से मौसम के मिजाज पर निर्भर है। पिछले दिनों तेज धूप और उमस के चलते बिजली की मांग तेजी से बढ़ी थी। अप्रैल के अंतिम दिनों में एक दिन पावर डिमांड 7000 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। हल्की बारिश के बाद सोमवार को डिमांड 5159 मेगावॉट रही। रविवार को डिमांड 5836 मेगावॉट थी।

सड़क हादसे में जालौन के 2 दरोगा, 2 सिपाही और ड्राइवर की मौत, अपहरण केस में दबिश देने गए थे हरियाणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के अनियंत्रित होकर सामने जा रहे वाहन से टकरा जाने से उत्तर प्रदेश पुलिस के 4 जवानों समेत 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पुलिसकर्मी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मुख्यालय उरई में तैनात थे।

तेज रफ्तार और ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा

ताउम्र सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे घटना हुई । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों की काली स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। इसी दौरान ड्राइवर ने सामने जा रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक

करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वह संतुलन खो बैठा और उसने सामने के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें सभी पांचों लोग फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक सभी की दर्दनाक मौत हो चुकी थी ।

पांचों शव बुरी तरह फंसे, रेस्क्यू टीम को करनी पड़ी मशक्कत

ताउम्र सदर थाना प्रभारी शीशराम ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए थे और पांचों शव गाड़ी के मलबे में बुरी तरह फंस गए थे। पुलिस और बचाव दल को शवों को बाहर निकालने में काफी मेहनत करनी पड़ी । बाद में शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि पुलिसकर्मी कहां जा रहे थे और उनके वहां आने का क्या कारण था ।

मृतकों की पहचान घटनास्थल से बरामद आईकार्ड के आधार पर चार पुलिसकर्मियों की पहचान कर ली गई है। मृतकों में एएसआई मोहित यादव, सत्यभान, अशोक और प्रदीप शामिल हैं। ये सभी जालौन जिले में तैनात थे। पांचवें मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस को मौके से एक आईकार्ड भी मिला है, जो एएसआई मोहित यादव का बताया जा रहा है। सभी पुलिसकर्मी काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार थे, जो हरियाणा के जींद आरटीओ में रजिस्टर्ड थी। बताया जा रहा है कि गाड़ी बिल्कुल नई थी। पुलिस जांच में जुटी स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से ओवरटेक करने के प्रयास को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

कासगंज में तेज आंधी-बारिश में 2 बच्चों समेत 3 की मौत, मकान के लेंटर और दीवार गिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई है। जिले में आंधी बारिश में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में दो मासूम बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए। परिजन घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां सभी घायलों का उपचार जारी है। तेज आंधी-बारिश में जगह-जगह पेड़ और बिजली के खंभे मकान के लेंटर गिरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा सोमवार शाम हुआ है। थाना सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र के गांव घबरा के रहने वाले जितेश के मकान का लेंटर आंधी बारिश में भरभराकर गिर गया। अचानक मकान का लेंटर गिरने से मौके पर चीख-पुकार मच गई। मकान के लेंटर के नीचे जितेश के परिवार के लोग मलबे में दब गए। इस हादसे में 5 वर्षीय सोनाली और 6 माह के अवनीश की मौत हो गई, जबकि उसकी 26 वर्षीय मां नीलम, 22 वर्षीय बुआ बबीता मलबे में दबकर गंभीर घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों की हालत को गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बेटे ने इलाज के दौरान दम तोड़ा बताया जा रहा है कि हादसे में घायल जितेश की पत्नी नीलम और उसके 6 माह के बेटे अवनीश को डॉक्टरों ने हायर सेंटर बदायूं के नौशेरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां 6 माह के मासूम अवनीश की मौत हो गई। वहीं, उसकी बुआ को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में इलाज को भर्ती कराया है। हादसे की जानकारी होने पर पुलिस-प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई और परिवार के लोगों से हादसे की जानकारी जुटाई। दूसरी घटना शेरपुर गांव में हुई आंधी-बारिश में दूसरी घटना थाना अमापुर क्षेत्र के गांव शेरपुर में हुई।

सिद्धार्थनगरः आंधी में तिनके की तरह टूटी 32 लाख की पानी टंकी, हवा में लटका ऊपरी हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के खुनियाव ब्लॉक के रमवापुर विशुनपुर गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई जा रही एक पेयजल टंकी आंधी के कारण क्षतिग्रस्त हो गई. यह हादसा 5 मई को दोपहर करीब 12 बजे उस समय हुआ जब मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कर्मचारी टंकी के ऊपरी हिस्से में जिंक एलम मटेरियल की बोल्टिंग कर रहे थे. अचानक आए तेज हवा के दबाव के कारण निर्माणाधीन टॉप रूफ टूटकर नीचे की ओर लटक गया. मौसम विभाग की चेतावनी के चलते मजदूर पहले ही नीचे उतर आए थे, जिससे इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई.

32 लाख की लागत से बन रही थी टंकी

हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा बनाई जा रही इस पेयजल टंकी की कुल लागत 32.41 लाख रुपये बताई जा रही है. डेढ़ लाख लीटर की स्टोरेज क्षमता वाली यह टंकी निर्माणाधीन अवस्था में थी. कंपनी को जिले में ऐसी करीब 150 टंकियां बनाने का जिम्मा मिला हुआ है. स्थानीय लोगों ने जब टंकी के ऊपरी हिस्से को टूटते देखा, तो गांव में अफरातफरी मच गई, हालांकि मजदूरों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा होने से टल गया.

इंजीनियर ने बताया कैसे हुआ हादसा

जल जीवन मिशन के अधिशाषी अभियंता संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि टंकी का आरसीसी निर्माण पहले ही पूरा हो चुका था. वर्तमान में कंटेनर में जिंक एलम का काम लेयर दर लेयर चल रहा था. दो लेयर का काम पूरा होने के बाद आज बोल्टिंग की प्रक्रिया जारी थी. करीब 15-16 मीटर की ऊंचाई पर हवा का दबाव इतना अधिक था कि बोल्टिंग पूरी न होने की वजह से ढांचा भार नहीं सह सका. अब इसे दोबारा मानक के अनुसार तैयार कराया जाएगा.

सुरक्षा के मद्देनजर काम रोकने के आदेश

घटना की सूचना मिलते ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया. मौसम विभाग द्वारा जारी खराब मौसम के अलर्ट को देखते हुए अधिशाषी अभियंता ने जिले में चल रहे सभी टंकी निर्माण कार्यों को फिलहाल रोकने के आदेश दिए हैं. इंजीनियर जायसवाल के अनुसार, जिले में लगभग 100 ऐसी टंकियां सुरक्षित रूप से पूर्ण हो चुकी हैं, लेकिन निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करना और खराब मौसम में काम न करना अब अनिवार्य कर दिया गया है.

'हिंदुओं का अपमान करके कोई सत्ता में नहीं रह पाएगा', सनातन विरोधियों की पराजय, कपिल मिश्रा का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। असम, पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों के लिए मतगणना जारी है। रुझानों में असम और पश्चिम बंगाल में बीजेपी के बंपर जीत के संकेत मिल रहे हैं। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पर समारोह के लिए जोरों शोरों से तैयारी शुरू हो गई है। इस बीच दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने बिना नाम लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। पर्यटन मंत्री ने एक्स पर किया पोस्ट दिल्ली सरकार में पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बीजेपी की जीत के बाद दिल्ली सचिवालय में तस्वीरें पोस्ट कीं। पर्यटन मंत्री ने नाम लिए बिना उदयनिधि स्टालिन के विवादित बयान पर निशाना साधा। मंत्री कपिल मिश्रा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भव्य विजय सनातन विरोधियों की पराजय , जनादेश स्पष्ट है हिंदुओं का अपमान करके कोई सत्ता में नहीं रह पाएगा। कपिल मिश्रा का एमके स्टालिन ओर था इशारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स आर्टिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सनातन उन्मूलन सम्मेलन में सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोविड-19 जैसी बीमारियों से की थी और कहा था कि इन्हें सिर्फ रोकना नहीं, बल्कि मिटा देना चाहिए। तमिल में दिए भाषण में उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म को रोका या इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे मिटा दिया जाना चाहिए। मतदाताओं के बीच निर्णायक साबित हुई ये बात कई लोगों का मानना है कि 'सांस्कृतिक गौरव' और 'सनातन' का मुद्दा मतदाताओं के बीच निर्णायक साबित हुआ है। मंत्री कपिल मिश्रा ने इशारों से इशाकों में स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में 'सनातन' का अपमान करने वाली राजनीति के लिए राहें और भी मुश्किल होने वाली हैं।

बंगाल में BJP की जीत पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में तंज

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में बीजेपी की जीत पर तंज कस गया है। सामना के संपादकीय में लिखा गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करारी हार का सामना करना पड़ा है। बंगाल में बीजेपी की पहली जीत का असर राष्ट्रीय राजनीति में पड़ने की उम्मीद की जा रही है। इस प्रभाव विपक्षी गठबंधन (India Alliance) पर भी पड़ सकता है। बंगाल में बीजेपी की बड़ी जीत पर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेसना यूबीटी के मुखपत्र 'सामना' में तंज कसा गया है। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि भले ही इन पांच राज्यों के चुनाव नतीजे BJP के लिए 'गेम चेंजर' साबित हुए हैं, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि इन्हें सीधे-सादे तरीकों से हासिल किया गया है। सबसे ज्यादा इंतजार पश्चिम बंगाल के नतीजों का था। जहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस लगातार तीन बार चुनाव जीत चुकी थी। इस दौरान मोदी और शाह ने उन्हें हराने के लिए हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। इस बार उन्हें चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के रूप में एक 'तीसरा साथी' मिल गया, जिसकी वजह से बीजेपी को कामयाबी मिली।

जैसा सोचा था वैसे ही आए नतीजे

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर बोलते हुए कहा था कि राज्यों के चुनावों के नतीजे ठीक वैसे ही आए हैं, जैसा बीजेपी ने सोचा था। ठाकरे ने कहा कि इन राज्यों में जो पैटर्न इस्तेमाल किया गया। वह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र में बीजेपी की जीत पर तंज कसे गए हैं। संपादकीय में यह कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में BJP की जीत का श्रेय ज्ञानेश कुमार को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने बीजेपी के सहयोगी की तरह काम किया। उन्होंने बंगाल में 3,00,000 अर्धसैनिक बल तैनात किए और राज्य सरकार के सभी अधिकारियों को राज्य से बाहर भेज दिया। संपादकीय में लिखा है कि उन्होंने ऐसा करने को एक नेक इरादा बताया लेकिन असम में उन्होंने ऐसा कोई इरादा नहीं दिखाया। मोदी और शाह बंगाल में सरकार बनाने का सपना देख रहे थे। इसे पूरा करने के लिए 92 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए। जिनमें से ज्यादातर ममता बनर्जी के समर्थक थे।

वोटिंग के बाद जश्न मना रही थी बीजेपी

ठाकरे गुट ने तर्क दिया कि यह एक बार फिर साबित करता है कि बीजेपी चुनाव लड़ने और जीतने के लिए किस तरह के तरीके अपनाती है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के नतीजों के राष्ट्रीय राजनीति पर दूरगामी परिणाम होंगे। संपादकीय में कहा गया है कि यह बात शक पैदा करती है कि पश्चिम बंगाल में वोटिंग खत्म होते ही बीजेपी ने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया था। इससे पता चलता है कि जीत की साजिशें पर्दे के पीछे रची गई थीं। मुखपत्र में महाराष्ट्र में रेप की घटना के परिपेक्ष्य में लिखा गया है कि जहां एक तरफ बीजेपी कार्यकर्ता त्योहारों की तरह जश्न मना रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ देश महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों से जूझ रहा है। महाराष्ट्र में छोटी बच्चियों के खिलाफ क्रूर अपराधों की खबरों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, फिर भी ये मुद्दे राजनीतिक जश्न के शोर में दबते हुए दिख रहे हैं।

अमेरिका जा रही थी पत्नी, विवाद के बाद कारोबारी पति ने खुद को मारी गोली, तीन से ज्यादा गोलियां चलाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां शांति निकेतन टाउनशिप में रहने वाले 62 वर्षीय हार्डवेयर कारोबारी सुधीर पाटनी ने खुद को गोली मारकर जान दे दी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटना से पहले उनका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने यह कदम उठाया।

अमेरिका में रहते हैं बच्चे

इंदौर पुलिस के अनुसार सुधीर पाटनी अपने परिवार के साथ शांति निकेतन में रहते थे। घर में उनकी पत्नी और बुजुर्ग माता-पिता मौजूद थे जबकि बेटा और बेटी अमेरिका में रहते हैं। बताया जा रहा है कि पत्नी सोमवार को अमेरिका जाने वाली थीं, जहां उनकी बेटी के कार्यक्रम में शामिल होना था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कुछ समय से तनाव चल रहा था।

रविवार रात हुई कहासुनी

रविवार देर रात दोनों के बीच एक बार फिर कहासुनी हुई। विवाद के बाद दोनों अलग-अलग कमरों में चले गए। इसी दौरान गुस्से और तनाव में आकर सुधीर पाटनी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली और खुद को गोली मार ली। बताया जा रहा है कि कमरे के अंदर तीन से ज्यादा फायर की आवाजें सुनी गईं।

कमरे में लाश देखकर रह गई सन्न

घटना के समय उनके माता-पिता घर की निचली मंजिल पर थे। कुछ देर बाद जब पत्नी अपने कमरे से बाहर आईं तो उन्हें कोई हलचल नहीं दिखी। सोमवार सुबह करीब तीन बजे जब वह बैग लेने के लिए उनके कमरे में पहुंचीं तो वहां का दृश्य देखकर सन्न रह गईं। सुधीर पाटनी जमीन पर खून से लथपथ पड़े थे और उनकी कनपटी पर गोली लगी हुई थी। इंदौर में कारोबारी ने क्यों दी जान कथित रूप से पत्नी से विवाद को बाद कारोबारी ने खुद को मारी गोली बैग लेने गई पत्नी ने कमरे में देखा तो पड़ा था शव अमेरिका में रहते हैं कारोबारी के बच्चे मंगलवार को इंदौर पहुंचने के बाद होगा अंतिम संस्कार कोई सुसाइड नोट नहीं मिला सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घर और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि बेटे और बेटी के भारत पहुंचने के बाद मंगलवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बीजेपी ने ममता बनर्जी को खिलाई पराजय की झालमुड़ी, एकनाथ शिंदे ने भगवा दल को दी जीत की बधाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार बन रही है। विधानसभा चुनाव की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को भारी बहुमत मिला है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रदेश में लंबे शासन के बाद सत्ता से बेदखल होती है। वहीं, असम में तीसरी बार बीजेपी सत्ता में लौटती दिख रही है। दोनों राज्यों में बीजेपी की जीत से एनडीए के सहयोगी दलों में भी खुशी का माहौल है। इसी कड़ी में शिवसेना (शिंदे गुट) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खुशी जताई है।

शिंदे ने बंगाल की जीत पर क्या कहा?

एकनाथ शिंदे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज का दिन बीजेपी के लिए ऐतिहासिक है। पश्चिम बंगाल में पहली बार कमल खिल गया है। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी ने ममता दीदी को पराजय की 'झालमुड़ी' खिलाई है। गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी जनता ने पश्चिम बंगाल में सच्चे अर्थों में लोकतंत्र की स्थापना की है। उन्होंने विकास, प्रगति, स्थिरता और शांति को वोट दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इस शताब्दी वर्ष में वंदनीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि में भाजपा की जीत सर्वार्थ में ऐतिहासिक है।

अमित शाह की मेहनत से ममता का गढ़ ध्वस्त

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पिछले दस सालों में अथक मेहनत करके ममता दीदी का गढ़ ध्वस्त कर दिया है। अमित शाह भाजपा के चाणक्य हैं, यह एक बार फिर सिद्ध हो गया है। बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं ने दमन को ठुकराते हुए दृढ़तापूर्वक लड़ाई लड़ी है। इसलिए भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी बधाई। इस चुनाव प्रचार में ममता दीदी ने भाजपा, पीएम मोदी और अमित शाह पर बेहद निम्न स्तर की आलोचना की थी। जनता ने ईवीएम के माध्यम से इस आलोचना का मुंहतोड़ जवाब दिया है। अब भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल के सर्वांगीण विकास के माध्यम से उस आलोचना का करारा जवाब देगी। बीजेपी के नेतृत्व में अब पश्चिम बंगाल में विकास का नया युग शुरू हो रहा है। डबल इंजन सरकार के कारण पश्चिम बंगाल में विकास की बुलेट ट्रेन निश्चित रूप से तेज गति से दौड़ेगी। बीजेपी को मिला मां काली और कामाख्या देवी का आशीर्वाद एकनाथ शिंदे ने एक दूसरे एक्स पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल की काली माता का और असम की कामाख्या देवी का आशीर्वाद बीजेपी को प्राप्त हुआ है। 'असम में विजय आसान है, सिर्फ भाजपा ही पहचान है,' यह घोषणा एक बार फिर सच्ची साबित हुई है। भारतीय जनता पार्टी असम में लगातार तीसरी बार सत्ता में आ रही है। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के विजन पर असम के नागरिकों ने भी एक बार फिर पूरा विश्वास जताया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा की विकास नीति और उनके कार्यों पर जनता ने भरोसा व्यक्त किया है। इसलिए मेरे मित्र हिमंता बिस्वा सरमा को भी बधाई।

भोपाल में ब्लू लाइन मेट्रो के लिए काटे गए दशकों पुराने पेड़, पुरानी विधानसभा के सामने चल रहा सफाई का काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। झीलों के शहर भोपाल में विकास की रफ्तार अब पेड़ों पर भारी पड़ने लगी है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के ब्लू लाइन एलिवेटेड कॉरिडोर का रास्ता साफ करने के लिए ऐतिहासिक मिंटो हॉल यानी पुरानी विधानसभा के ठीक सामने लगे दशकों पुराने छायादार पेड़ों को काट दिया गया है।

मुसाफिरों का आसरा खत्म

ये पेड़ महज हरियाली का हिस्सा नहीं थे, बल्कि पास के व्यस्त बस स्टॉप पर खड़े यात्रियों के लिए तपती गर्मियों में कुदरती छतरी का काम करते थे। अब वहां सिर्फ सन्नाटा और कंक्रीट का मलबा नजर आता है।
इन पेड़ों के नीचे खड़े होकर हम बस का इंतजार करते थे। अब यहां सिर्फ धूप बची है। मेट्रो आए यह अच्छी बात है, लेकिन सरकार को ये भी देखना चाहिए कि नए पेड़ कब और कहां लगेंगे?

'सब नियमों के तहत हुआ'

पेड़ों की कटाई को लेकर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि यह काम जरूरी था। एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए खाली जगह की जरूरत होती है। अफसरों के मुताबिक, पेड़ों को काटने के लिए सभी जरूरी कानूनी अनुमतियां ली गई थीं। नुकसान की भरपाई के लिए अब कैपिटल प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को दोबारा पौधारोपण की जिम्मेदारी दी गई है। **ब्लू लाइन प्रोजेक्ट:** एक नजर में यह कटाई 12.9 किलोमीटर लंबे ब्लू लाइन प्रोजेक्ट का हिस्सा है। यह लाइन भदभदा चौराहे से शुरू होकर रत्नागिरी तिराहे तक जाएगी।

कॉरिडोर का नाम	ब्लू लाइन
कुल दूरी	12.9 किलोमीटर
स्टेशनों की संख्या	13 एलिवेटेड
स्टेशन समय सीमा	2025 में काम शुरू, 3 साल का लक्ष्य
रूट	भदभदा से रत्नागिरी तिराहा

विकास बनाम पर्यावरण

पर्यावरणविदों का मानना है कि भले ही काटे गए पेड़ों की संख्या कम हो, लेकिन ऐतिहासिक इमारतों के पास से हरियाली का गायब होना चिंताजनक है। यह मामला एक बार फिर शहर के बुनियादी ढांचे के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण के बीच के तनाव को उजागर करता है। जहां एक ओर मेट्रो शहर में यातायात को आधुनिक बनाएगी, वहीं दूसरी ओर पुराने पेड़ों के कटने से भोपाल की ग्रीन सिटी वाली छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में चुनाव हारी ममता बनर्जी, मन से नहीं हारीं, संजय राउत ने बढ़ाया हौसला

संजय राउत ने ममता बनर्जी का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि मन से हारना और चुनाव हारना, दोनों अलग-अलग बिंदु हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने ममता बनर्जी का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि मन से हारना और चुनाव हारना, दोनों अलग-अलग बिंदु हैं। बेशक ममता बनर्जी को चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनका हौसला अभी टूटा नहीं है।

राउत ने क्या कहा?

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीजेपी के लिए किसी भी सूरत में पश्चिम बंगाल चुनाव जीतना आसान नहीं था, लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सिर्फ पश्चिम बंगाल में जीत का परचम लहराने के लिए भाजपा और चुनाव आयोग के बीच गठबंधन हुआ था और मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह इसी गठबंधन का नतीजा है कि आज की तारीख में भाजपा पश्चिम बंगाल में अपना जीत का झंडा बुलंद करने में सफल हो पाई है।

चुनाव आयोग पर साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि यह कोई आसान बात नहीं है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के इशारे पर साजिशन 90 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए।

इनके नाम सूची से हटाने का मुख्य मकसद यही था कि प्रदेश में बीजेपी के लिए स्थिति अनुकूल हो सके, ताकि उसके लिए आगे जीत का मार्ग प्रशस्त हो।

बात सुनने को तैयार नहीं हो रहे प्रधानमंत्री

उन्होंने कहा कि अब मौजूदा समय में स्थिति ऐसी बन चुकी है कि चुनाव आयोग हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा नहीं रहा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट भी हमारी बात सुनने को तैयार नहीं हो रहा है।

अब ऐसी स्थिति में हमारी बात कौन सुनेगा? वहीं, प्रधानमंत्री भी हमारी बात सुनने को तैयार नहीं हो रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि सिर्फ प्रदेश को जीतने के लिस आप लोगों ने पूरा जोर तोड़ लगा लिया, ताकि प्रदेश में आपके लिए स्थिति अनुकूल हो सके।

22 देशों के बीच भारत का जलवा बॉलीवुड गानों पर डांस से लेकर पारंपरिक परेड तक, भारतीय टीम हर जगह छाई रही।

22 देशों के बीच भारत का जलवा, मोजियांग में भोपाली ट्विन्स के बॉलीवुड डांस पर झूम उठा चीन चीन के युन्नान में आयोजित 20वें इंटरनेशनल ट्विन्स फेस्टिवल में भोपाल के जुड़वा प्रतिभागियों ने अपनी कला का लोहा नवाया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। चीन के युन्नान प्रांत में हाल ही में आयोजित 20वें इंटरनेशनल ट्विन्स फेस्टिवल-2026 में भारत का दबदबा देखने को मिला। भोपाल के ट्विन्स क्लब ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, बल्कि अपनी शानदार प्रस्तुतियों से 10 हजार से अधिक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

30 अप्रैल से 4 मई तक चला जश्न

क्लब के अध्यक्ष अभिषेक खरे के नेतृत्व में भारतीय दल चीन पहुंचा था। इस टीम में बॉलीवुड अभिनेता और डांसर जोड़ी पराग-प्रयास चौधरी के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रकृति-श्रृष्टि कुशवाहा शामिल थीं। इन दोनों जोड़ियों ने जब बॉलीवुड गानों के मेडली पर डांस शुरू किया, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

लिम्का बुक में दर्ज है क्लब की पहचान

बता दें कि भोपाल का यह ट्विन्स क्लब कोई आम क्लब नहीं है, बल्कि इसका नाम वर्ष 2003 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। साल 2014 से यह क्लब लगातार चीन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इस साल की थीम Twins for Peace and Love रखी गई थी।

22 देशों के 700 से ज्यादा जुड़वां हुए शामिल

इस फेस्टिवल में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया और श्रीलंका समेत 22 देशों के 200 से अधिक और खुद चीन के 500 से अधिक जुड़वां प्रतिभागी शामिल हुए। भारतीय ट्विन्स पिछले 10 सालों से यहां आ रहे हैं। इससे चीन के लोगों और अन्य देशों के साथ हमारे रिश्ते मजबूत हुए हैं। यहां आना किसी सपने के सच होने जैसा है। अभिषेक खरे, अध्यक्ष (ट्विन्स क्लब भोपाल) परेड के दौरान जब भारतीय टीम पारंपरिक ड्रेस में उतरी, तो विदेशी प्रतिभागी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए उत्साहित दिखे। पराग और प्रयास ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर ऐसा लगा जैसे हम अपने वैश्विक परिवार से मिल रहे हैं। वहीं, प्रकृति और श्रृष्टि ने आयोजन की भव्यता को देखकर अपनी खुशी जाहिर की। अब भारत में भी मनेगा ट्विन्स उत्सव चीन में मिली इस सफलता के बाद अभिषेक खरे ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में ट्विन्स क्लब, भोपाल और ट्विन्स इंडिया मिलकर भारत में भी इसी तरह का एक भव्य इंटरनेशनल ट्विन्स फेस्टिवल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

'टॉयलेट जाने के लिए फ्लाइओवर बनवाओ', भोपाल में नगर निगम का कारनामे पर भड़के लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल लगातार अजूबों का शहर बनती जा रही है. भोपाल के ऐशबाग में नगर निगम ने 90 डिग्री पुल के नजदीक अजीब ही शौचालय बना दिया है. दरअसल, 90 डिग्री पुल के पास वार्ड नंबर 40 में रेलवे की जमीन पर ही नगर निगम ने सुलभ शौचालय बना दिया. सुलभ शौचालय बनकर तैयार होने वाला था कि उससे पहले रेलवे ने उसके आगे अपनी बाउंड्री वाल बना दी, बाउंड्री वॉल बनने के बाद सुलभ शौचालय वाल के अंदर चला गया जिससे अब लोग शौचालय का उपयोग नहीं कर सकेंगे . आपको बता दें कि सुलभ शौचालय का निर्माण किया जा रहा था तब नगर निगम के द्वारा क्षेत्रीय निवासियों ने आपत्ति भी दर्ज कराई थी कि यह रेलवे की जमीन है यहां पर सुलभ शौचालय का निर्माण नहीं किया जाए. मगर नगर निगम के अधिकारियों ने एक न सुनी और रेलवे की जमीन पर सुलभ शौचालय बना दिया . नतीजा ये हुआ कि शौचालय जब बनकर तैयार होने वाला था तभी रेलवे ने अपनी बाउंड्री बाल खींच दी. अब नगर निगम ने जो पैसा शौचालय बनाने पर लगाया था वह बेकार जाएगा. क्षेत्रीय लोग इस गैर जिम्मेदारी पर काफी नाराजगी जाता रहे हैं. क्षेत्रीय पार्षद और नगर निगम पर उनका कहना है कि क्या नगर निगम अब इस शौचालय तक पहुंचने के लिए फ्लाईओवर ब्रिज बनाएगा या फिर नीचे से अंडरपास बनाएगा? सामाजिक कार्यकर्ता अलमास अली बोले हमने नगर निगम से शौचालय बनाने की मांग की थी मगर नगर निगम ने रेलवे की जमीन पर ही शौचालय बना दिया. अब रेलवे ने अपनी बाउंड्री वाल बना दी है इस कारण हम लोग अब शौचालय का उपयोग नहीं कर पाएंगे.

खंडवा में खनन माफिया का दुस्साहस, पटवारी को ट्रैक्टर से रौंदने की कोशिश, केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। खंडवा तहसील के जावर सर्किल अंतर्गत ग्राम भकराडा में मुरम के अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने और पटवारी पर जानलेवा हमला करने की कोशिश का मामला भी सामने आया है।

मौके से आरोपी फरार

जानकारी के अनुसार हल्का पटवारी मयंक फुलेरिया जांच के लिए मौके पर पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि शासकीय भूमि पर अवैध रूप से मुरम का उत्खनन किया जा रहा था। मौके पर एक जेसीबी मशीन और चार ट्रैक्टर मौजूद थे, जिनके जरिए मुरम को पास के मुर्गी केंद्र तक ले जाया जा रहा था। पटवारी को देखकर मौके पर मौजूद लोग भागने लगे। इस दौरान ट्रैक्टर चालक कुंदन पिता गजेंद्र राजपूत ने पटवारी पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। हालांकि पटवारी ने सतर्कता दिखाते हुए किसी तरह अपनी जान बचाई।

जेसीबी जब्त, अन्य वाहन मौके से भागे

घटना के बाद सभी ट्रैक्टर चालक अपने वाहन लेकर फरार हो गए, लेकिन जेसीबी मशीन में फंसने के कारण मौके से नहीं निकल सकी। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जेसीबी को जब्त कर थाना जावर की अभिरक्षा में सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में जेसीबी चालक की पहचान सावन भिलाला निवासी बांगरदा और एक अन्य ट्रैक्टर चालक की पहचान मुकेश सोलंकी निवासी बिजोरा भील के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 132, 110, 303(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 21 और 4 के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई है।

शरद पवार गुट की नेता और बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि लाइफ में हार जीत तो होती रहती है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पश्चिम बंगाल। के नतीजों पर शरद पवार गुट की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि ममता बनर्जी बहुत जिम्मेदार महिला हैं. उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि वो फिर चुनौती समझकर आगे बढ़ती जाएंगी. हमारी टीएमसी और डीएमके से कल रात को बात हुई. एक दो दिन में पूरा डेटा आपके सामने होगा. हार जीत तो सबके लाइफ में होती है. एकाध सिनेमा फ्लॉप हो गया तो एक्टर घर में थोड़ी बैठता है. लाइफ में हार जीत तो होती है. पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे सोमवार (4 मई) को आ गए हैं. बंगाल में दो चरणों में मतदान संपन्न हुआ. पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को पूरा हुआ. नतीजों में बीजेपी ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है. जबकि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा. बंगाल में बीजेपी पहली बार सत्ता में आई है.

पश्चिम बंगाल में किसको मिली कितनी सीटें

पश्चिम बंगाल के नतीजों में बीजेपी ने बंपर सीटें हासिल की हैं. भारतीय जनता पार्टी को 293 सीटों के परिणाम में 207 सीटों पर जीत मिली है. वहीं ममता बनर्जी की टीएमसी को 80 सीटों से ही संतोष करना पड़ा. टीएमसी को 213 सीटों पर हार का मूंह देखना पड़ा. इनके अलावा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को मात्र 2 सीटें मिलीं. वहीं हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की है. सीपीआई एम को 1 और ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट को 1 सीट मिली है.

बंगाल में TMC और BJP को कितने प्रतिशत वोट मिले?

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद बीजेपी को 45.84 प्रतिशत वोट शेयर मिला, जबकि ममता बनर्जी की पार्टी ने 40. 80 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया. कांग्रेस ने 2.97 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कियाात मिली है.

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट, अशोक नगर द्वारा भीषण गर्मी में मानव सेवा एवं पक्षी संरक्षण का सराहनीय कार्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोक नगर। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां एक ओर इंसान गर्मी से परेशान है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए जीवन और भी कठिन हो जाता है। इसी मानवता एवं प्रकृति संरक्षण के भाव को आगे बढ़ाते हुए भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट, अशोक नगर की जिला अध्यक्ष श्रीमती पूनम सेमर द्वारा नगर में विभिन्न स्थानों पर राहगीरों के लिए ठंडे पानी के मटके रखवाए गए तथा पक्षियों के लिए दाना-पानी हेतु सकोरे भी स्थापित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि इंसान अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन पक्षी बेजुबान होते हैं और उन्हें दाना-पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। यदि पक्षियों का संरक्षण नहीं किया गया तो पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा, जिससे वर्षा और प्राकृतिक चक्र भी प्रभावित होंगे।

भाजपा की विजय रैली, स्वाधीन जैन ने बताया - छत्तीसगढ़ नेताओं की मेहनत रंग लाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। दल्ली राजहरा, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, अल्पसंख्यक मोर्चा, स्वाधीन जैन ने बताया कि पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं प्रचंड विजय पर आज दल्ली राजहरा में गुप्ता चौक से बस स्टैंड चौक तक विजय रैली निकाली गई। जैन ने बताया कि वे स्वयं इस विजय रैली में सम्मिलित हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं और नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मंडल अध्यक्ष के तत्वावधान में पेड़ा, लड्डू, झालपुड़ी खिलाकर एवं बैंड-बाजा, पटाखे फोड़ कर बधाई एवं उत्सव के रूप में इस शानदार जीत का जश्न मनाया गया। सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

टेडेसरा, देवादा और फूंडा के फर्जी भारत माला परियोजना के भ्रष्ट अधिकारियों का खुलासा कलेक्टर करें - ओस्तवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। शहर कांग्रेस के पूर्व महामंत्री एवं पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने एक पत्र के माध्यम से राजनांदगांव जिले के कलेक्टर एवं दुर्ग संभाग आयुक्त से यह मांग की है कि राजनांदगांव जिले के टेडेसरा, देवादा और फुंडा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित सडक़ के भू-अर्जन के मामले में शासन के नियम विरूद्ध जमीन भू-अर्जन का जो फर्जीवाड़ा जो हुआ है उसकी जांच रिपोर्ट का खुलासा किया जाए तथा राजनांदगांव जिले के तात्कालीन कलेक्टर, एस.डी.एम. , तहसीलदार, पटवारी, आर.आई. आदि जिन लोगों की भारत माला परियोजना में फर्जीवाड़ा कर शासन को करोड़ो रूपयों की वित्तीय हानि पहुंचाकर उक्त जमीन मालिकों से साठ-गाठ करके जो फर्जीवाड़ा किया गया जिस संबंध में आयुक्त दुर्ग संभाग के द्वारा कलेक्टर जिला राजनांदगांव को 26/03/2025 को कार्यालयीन पत्र क्र. 779/भू-अर्जन/2025 छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र क्र. 12/08/2025 दिनांक 18/03/2025 के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला परियोजना के संबंध में कलेक्टर राजनांदगांव को जो आदेश जारी किया गया उस आदेश के परिपालन में कलेक्टर एवं उनके अधिनस्त अपर कलेक्टर जिला राजनांदगांव के द्वारा उक्त आदेश के परिपालन में भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले भारत माला परियोजना के संबंधित सभी दोषी अधिकारियों आदि का खुलासा किया जाए जिससे की प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को यह मालूम पड़ सके की 1 मई से 10 मई तक सुशासन का पालन भाजपा की सरकार में हो रहा है या नहीं ? इससे राजनांदगांव जिले सहित प्रदेश की आम जनता के सामने भ्रष्टाचारियों के ऊपर कार्यवाही हो रही है या मामला दबाया जा रहा है? और यदि मामला दबाया नहीं जा रहा है तो तत्काल राजनांदगांव जिले के दबंग कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं आयुक्त दुर्ग संभाग सत्यनारायण राठोर से मांग है कि राजनांदगांव जिले के टेडेसरा , देवादा आदि भारत माला परियोजना की जांच प्रतिवेदन रिपोर्ट का खुलासा तत्काल करें.

केजरीवाल का सवाल- मोदी लहर में भी नहीं जीती थी बीजेपी, अब कैसे?

-लोकतंत्र पर संकट का दावा, राष्ट्रपति से मुलाकात की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस जीत पर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया और जनादेश को लेकर गंभीर टिप्पणी की है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, जब देश में ÷मोदी लहर÷ चरम पर थी, तब भी भाजपा दिल्ली और बंगाल जैसे राज्यों में जीत नहीं दर्ज कर सकी थी। उन्होंने कहा कि 2015 और 2016 में पार्टी को बेहद कम सीटें मिली थीं, लेकिन अब जब लोकप्रियता घटने की बात कही जा रही है, तब बंगाल में बड़ी जीत सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह बदलाव कैसे संभव हुआ और क्या इसके पीछे चुनावी प्रक्रिया में कोई बदलाव या गड़बड़ी जिम्मेदार है।

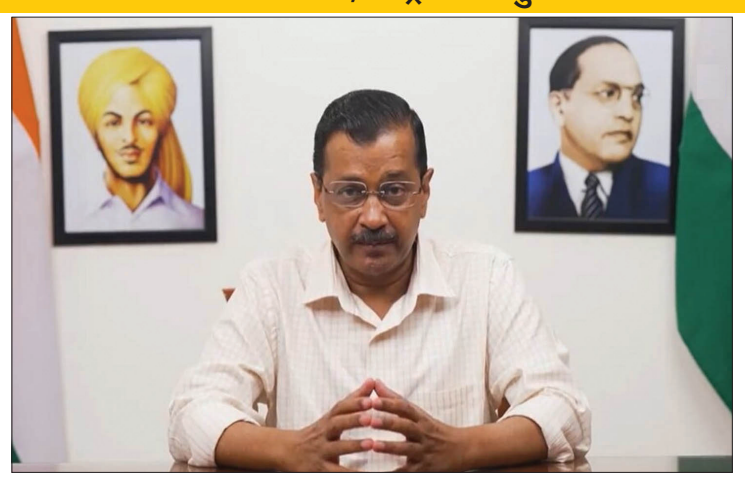

इससे पहले एक रैली में बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र पर संकट है और कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बिहार और महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी राजनीतिक परिस्थितियां संदिग्ध रही हैं। उन्होंने अपने विधानसभा अनुभव का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनके वोटों में बड़ी संख्या में कमी आई, जिसे उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने का आधार बताया। हालांकि इन दावों का कोई आधिकारिक प्रमाण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इस बीच आम आदमी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन पहुंचा, जहां उसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की योजना बनाई। यह मुलाकात पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के कथित विलय को लेकर थी, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और अन्य नाम शामिल हैं। पार्टी का आरोप है कि यह राजनीतिक विलय लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ है और विपक्षी दलों को कमजोर करने का प्रयास है।

बंगाल जीत पर संजय राउत ने कहा– यह लोकतंत्र नहीं, चुनावी सेटअप है

-पाकिस्तान और रूस जैसे हालात की कर रहे बात

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत और 206 सीटों के साथ सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। जहां एक ओर भाजपा ने इस परिणाम को ऐतिहासिक जनादेश बताया है, वहीं विपक्ष ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस जीत पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की जीत नहीं है, बल्कि 'चुनाव प्रबंधन की जीत' है। इसी के साथ ही संजय राउत ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ। संजय राउत ने दावा किया कि जीत और हार के बीच करीब 11 लाख वोटों का अंतर था, और अगर मतदाता सूची में बदलाव न होता तो परिणाम अलग हो सकते थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के चुनाव उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अज़रबैजान जैसे देशों में देखे हैं, जहां पहले परिणाम तय कर लिए जाते हैं और बाद में चुनाव कराए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इसे ÷चुनाव नहीं बल्कि सेटअप÷ कहा जाना चाहिए। उनके अनुसार, विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए थी।

शशि थरूर बोले- मोदी और शाह की रणनीति गजब की, इससे सीखना चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हालिया चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और संगठन क्षमता की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने खासकर पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उनकी मजबूत चुनावी योजना और संगठनात्मक दक्षता को दर्शाता है। शशि थरूर के अनुसार, उनकी कार्यशैली पेशेवर है और वे चुनाव अभियानों में संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हैं। सही मायने में इससे सीख लेने की जरुरत है।

कांग्रेस नेता थरूर ने यह भी स्वीकार किया कि विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस, को इस तरह की रणनीति और संगठन से सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल चुनाव हार या जीत पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के संदर्भ में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अब गंभीर आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि केरल में पार्टी की सफलता यह दिखाती है कि सही रणनीति अपनाने पर बेहतर परिणाम संभव हैं। शशि थरूर ने कहा कि यदि केरल मॉडल का सही तरीके से विश्लेषण कर उसे अन्य राज्यों में लागू किया जाए, तो कांग्रेस अपनी स्थिति को मजबूत कर सकती है। उन्होंने संगठन, संसाधन प्रबंधन और जमीनी पकड़ को सुधारने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के हालिया चुनाव परिणामों से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती है, लेकिन सही रणनीति से इसे अवसर में बदला जा सकता है।

अब असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का विपक्ष के तौर पर रहेगा दबदबा

-चुनाव परिणामों ने रच दिया नया राजनीतिक इतिहास, -परिसीमन के बाद बदला गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। 126 सदस्यीय विधानसभा में गैर-एनडीए दलों के कुल 24 निर्वाचित विधायकों में से 22 मुस्लिम समुदाय से होने का आंकड़ा सामने आया है, जिसने एक तरफ जहां राजनीतिक बहस को जन्म दिया वहीं एक अलग ही इतिहास भी रचने का काम कर दिया है।

दरअसल विपक्षी खेमे में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस रही, जिसने 19 सीटें जीतीं, जिनमें अधिकांश मुस्लिम विधायक शामिल हैं। इसके अलावा ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को 2 सीटें मिलीं, जबकि रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुई। इन आंकड़ों की खास बात यह है कि विधानसभा में विपक्ष के तौर पर केवल दो गैर-मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। इनमें रायजोर दल प्रमुख अखिल गोगोई और कांग्रेस के जॉयप्रकाश दास शामिल हैं।

इस पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणी सामने आई है, जिसमें उन्होंने इसे राजनीतिक समीकरण पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का विश्लेषण है, लेकिन इससे राज्य की जनसांख्यिकीय और राजनीतिक वास्तविकता समझी जा सकती है।

चुनाव परिणामों में भाजपा और उसके सहयोगियों का प्रदर्शन मजबूत रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, परिसीमन के बाद बदले निर्वाचन क्षेत्रों ने इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2023 के परिसीमन के बाद मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या कम होकर 22 रह गई, जिससे चुनावी संतुलन प्रभावित हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, पहले जहां मुस्लिम बहुल सीटें 35 थीं, वहीं अब यह संख्या घटकर 22 रह गई है। इससे विपक्षी दलों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी और कई सीटों पर वोट विभाजन भी देखने को मिला।

चुनाव से पहले भी राजनीतिक समीकरण में बदलाव देखा गया, जब कुछ विधायकों ने पाला बदलकर सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया। इससे विपक्ष की रणनीति कमजोर हुई। असम में यह भी बहस जारी है कि बांग्लादेश से अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय बदलाव राज्य की राजनीति को लंबे समय से प्रभावित करते रहे हैं। भाजपा का तर्क रहा है कि राज्य की राजनीतिक दिशा में स्थानीय और स्वदेशी समुदायों की भूमिका निर्णायक होनी चाहिए। इन नतीजों ने असम की राजनीति में एक नए बहस को जन्म दिया है, जहां प्रतिनिधित्व, परिसीमन और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है।

बंगाल में जीती भाजपा तो सपा सांसद को हुई चिंता, बोले— झूठे केस में फंसाने का डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद देश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। इसी बीच संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद ज़िया उर रहमान बर्क ने प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासनिक दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध को लेकर चिंता जताई है। सांसद ज़िया उर रहमान बर्क ने कहा, कि भाजपा की जीत अपने आप में मुद्दा नहीं है, लेकिन वास्तविक चिंता इस बात की है कि कहीं जनता को दबाने और विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने की प्रवृत्ति न बढ़े। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक रिकॉर्ड और कानूनी प्रक्रियाओं का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव के लिए किया जा सकता है। सांसद बर्क ने कहा कि यदि लोग डरकर चुनावी प्रक्रिया से पीछे हट जाएं, तो लोकतंत्र का अर्थ ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश के कई हिस्सों में जहां भाजपा सत्ता में है, वहां इस तरह की चिंताएं पहले भी उठती रही हैं। सांसद बर्क ने आशंका जताई कि आगामी 2027 के चुनावों को देखते हुए उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में राजनीतिक माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि वोटरों के साथ भेदभाव और विपक्षी नेताओं को कानूनी मामलों में उलझाने का खतरा बना रहता है।

राष्ट्रपति से मिले भगवंत मान, बोले— संविधान का मजाक बना

आप छोड़ बीजेपी में शामिल सांसदों पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) के छह राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल होने के मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया।

मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम भगवंत मान ने कहा कि कुछ सांसदों द्वारा पार्टी बदलना लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि पूरी पार्टी दो-तिहाई बहुमत से विलय करती है तो यह स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन, सिर्फ 6-7 लोगों का ऐसा कदम मनमानी है।

मुख्यमंत्री मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में भाजपा के केवल 2 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में उसके 6 सदस्य हो गए हैं, जो ÷संविधान का मजाक÷ है। उन्होंने इस मुद्दे पर ÷राइट टू रिकॉल÷ जैसे संवैधानिक संशोधन की भी मांग उठाई। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान अपने साथ लगभग 90 विधायकों को लेकर दिल्ली पहुंचे थे।

वहीं दूसरी ओर, आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए नेताओं, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें पंजाब की सरकारी मशीनरी के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। राघव चड्ढा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह ÷खतरनाक खेल÷ है और इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा, ÷आप के पास एक राज्य की पुलिस है, जबकि हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस है,÷ जिसे लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

इस पर पलटवार करते हुए भगवंत मान ने सवाल उठाया कि क्या यह बयान विपक्ष को डराने के लिए दिया गया है। उन्होंने कहा कि ÷कानून अपना काम करेगा÷ और किसी के खिलाफ कार्रवाई केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगी। इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब सहित राष्ट्रीय राजनीति में दल-बदल, संवैधानिक प्रावधानों और राजनीतिक नैतिकता पर नई बहस छेड़ दी है।

राजा भैया का तंज बोले- मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के इन परिणामों का असर उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी साफ देखा जा रहा है। यूपी के प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने इन नतीजों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राजा भैया ने डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन की हार को सीधे तौर पर सनातन धर्म के अपमान से जोड़ते हुए इसे जनता का करारा जवाब बताया है।

राजा भैया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मिट गये सनातन को मिटाने का सपना देखने वाले। अपनी बात को वजन देने के लिए उन्होंने अपना 3 सितंबर 2023 का वह पुराना ट्वीट भी रिट्वीट किया, जिसमें उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के उस विवादित बयान का कड़ा विरोध किया था, जिसमें

सनातन धर्म की तुलना घातक बीमारियों से की गई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने देश की राजनीतिक दिशा में नई हलचल पैदा कर दी है। इन नतीजों के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। जहां बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ अपनी सत्ता सुरक्षित की है, वहीं दक्षिण भारत के चुनावी नतीजों ने सबसे ज्यादा चौंकाया है। केरल में कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत की है, तो तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। तमिलनाडु में विजय थलापति की पार्टी टीवीके ने एम.के. स्टालिन की डीएमके को शिकस्त देकर कांग्रेस के साथ गठबंधन की सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। विदित हो कि साल 2023 में एक सम्मेलन के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि सनातन धर्म मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की तरह है, जिसे केवल विरोध नहीं करना चाहिए बल्कि जड़ से मिटा देना चाहिए। उस समय भी राजा भैया ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि यह बयान हिंदुओं के प्रति घृणा को दर्शाता है। अब चुनावी नतीजों के बाद राजा भैया का यह हमला संकेत देता है कि उदयनिधि के बयानों ने हिंदू मतदाताओं के बीच जो नाराजगी पैदा की थी, उसका खामियाजा डीएमके को भुगतना पड़ा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राजा भैया इस मुद्दे के जरिए यूपी में भी अपने हिंदुत्ववादी आधार को और अधिक मजबूती देना चाहते हैं।

भीषण गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोम: मौसम विशेषज्ञ

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के कई हिस्सों उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में अप्रैल माह में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। इस चरम गर्मी का मुख्य कारण वायुमंडलीय घटना हीट डोम है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक ऐसी मौसमी स्थिति है जिसमें गर्म हवा एक बड़े क्षेत्र में फंसकर तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली गर्मी पैदा करती है, मानो वातावरण एक बंद भट्टी में बदल गया हो। तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है और कुछ इलाकों में यह 46-47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे हीट इंडेक्स 50 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो रहा है। दिल्ली, कानपुर, बांदा, लखनऊ, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, अकोला, अमरावती, वर्धा, तेलंगाना और राजस्थान जैसे राज्य इसके सीधे प्रभाव में हैं। हीट डोम का निर्माण तब होता है जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव का एक बड़ा क्षेत्र बनता है। यह उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे की ओर धकेलती है। जब हवा नीचे उतरती है, तो वह संपीड़ित होकर और अधिक गर्म हो जाती है। यह नीचे उतरती और गर्म होती हवा, सतह पर मौजूद गर्म हवा को एक विशाल अदृश्य गुंबद की तरह फंसा लेती है। इस गुंबद के कारण गर्म हवा ऊपर उठकर ठंडी नहीं हो पाती और न ही फैल पाती है। नतीजतन, गर्मी एक ही जगह पर जमा होती रहती है और तापमान लगातार बढ़ता जाता है, जिससे रात में भी कोई खास राहत नहीं मिलती। सामान्य मौसम में गर्म हवा सूर्य की किरणों से गर्म होकर ऊपर उठती है, बादल बनते हैं और वर्षा या ठंडी हवा का संचार होता है, लेकिन हीट डोम में उच्च दबाव वाली प्रणाली हवा को नीचे दबाए रखती है।

हीट डोम, हीट वेव से अलग है। जहां हीट वेव कुछ दिनों की तीव्र गर्मी की स्थिति होती है, वहीं हीट डोम बड़े भौगोलिक क्षेत्र पर हफ्तों या उससे अधिक समय तक गर्मी को फंसाए रखता है। इसमें जेट स्ट्रीम, जो ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज हवाओं की पट्टी होती है, महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब जेट स्ट्रीम लहरदार और धीमी हो जाती है या रुक जाती है, तो यह अपने पीछे उच्च दबाव का क्षेत्र छोड़ जाती है, जो गर्म हवा के फंसने का कारण बनता है। यह प्रक्रिया समुद्र के ऊपर गर्म हवा के बनने और ठंडी हवाओं के नीचे जाने से और तेज हो जाती है। जब उच्च दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर या हटकर हवाओं को बाहर निकलने देता है, तभी यह हीट डोम टूटता है और गर्मी से राहत मिलती है। हालांकि यह एक हफ्ते या उससे ज्यादा बना रह सकता है।

हालांकि हीट डोम सीधे तौर पर औद्योगिक गतिविधियों या एयरकंडीशनर से निकलने वाली गर्म हवा से नहीं बनता, लेकिन कारखानों, पावर प्लांट और वाहनों से उत्सर्जित होने वाली ग्रीनहाउस गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती हैं। यह बढ़ा हुआ तापमान हीट डोम जैसी घटनाओं को और अधिक तीव्र और बार-बार होने वाला बना सकता है। हीट डोम अत्यंत खतरनाक है क्योंकि यह साइलेंट किलर की तरह काम करता है। अत्यधिक और लगातार गर्मी से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हृदय संबंधी समस्याएं और किडनी फेलियर के मामले बढ़ जाते हैं। बुजुर्गों, बच्चों, मजदूरों और बीमार लोगों को इससे सबसे अधिक खतरा होता है। इसके अलावा, फसलें सूख जाती हैं, उपज घटती है और जल संकट गहराता जाता है। भारत में हीट डोम की सालाना सटीक गिनती नहीं की जाती, लेकिन हीट वेव के रूप में इन स्थितियों पर नजर रखी जाती है।

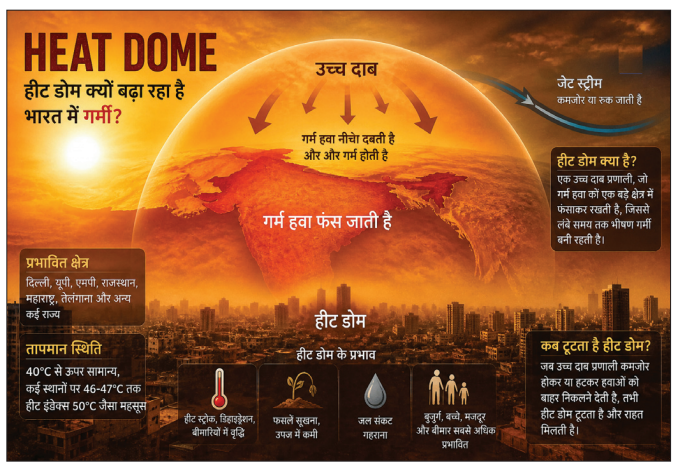

परिधान रिटेल सेक्टर में आई तेजी, मार्च तिमाही में दिखा मजबूत उछाल

वैल्यू फैशन सेगमेंट में दिखी खास मजबूती, लिस्टेड कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दिसंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए भारतीय परिधान रिटेल क्षेत्र ने मार्च तिमाही में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। स्टोरों से होने वाली बिक्री में बढ़ोतरी और नए स्टोर खोलने की तेज गति ने इस क्षेत्र को जबरदस्त मदद दी है। खास तौर पर वैल्यू फैशन कैटेगरी में यह रिकवरी ज्यादा मजबूत दिख रही है, जहां सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले एक महीने में निफ्टी 50 से तीन गुना अधिक रिटर्न दिया है। जेएम फाइनेंशियल रिसर्च के अनुसार कपड़ों के सेक्टर, खासकर वैल्यू फैशन में बड़े पैमाने पर रिकवरी देखने को मिल रही है। यह रिकवरी तीसरी तिमाही के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई है, जो त्योहारों के दूसरी तिमाही में होने से प्रभावित हुई थी। ज्यादातर परिधान रिटेलरों ने तीसरी तिमाही में बिक्री में गिरावट या 2 प्रतिशत से भी कम वृद्धि दर्ज की थी। हालांकि, चौथी तिमाही में औसतन मध्यम-एक अंक या उससे अधिक वृद्धि की उम्मीद है। जीएसटी दरों में कटौती, आयकर दरों में कमी और कम ब्याज दरों जैसे व्यापक उपभोक्ता खुदरा कारकों से मांग में बहाली के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि परिधान क्षेत्र चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करेगा, जिसमें वैल्यू अपैरल रिटेलरों का प्रदर्शन प्रीमियम रिटेलरों से बेहतर रहेगा। वी-मार्ट के तिमाही-पूर्व अपडेट ने चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का संकेत दिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने नए स्टोर खोलने के लक्ष्य को पार करते हुए कुल 80 स्टोर तक अपनी संख्या बढ़ाई है, जो वित्त वर्ष 2025 में 53 थी। ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने वी-मार्ट में सेम स्टोर सेल्स ग्रोथ में सुधार और लगातार दो अंकों की राजस्व वृद्धि देखी है, जिसकी मुख्य वजह स्टोर विस्तार और अधिग्रहण में सुधार है। उन्होंने 842 रुपये के संशोधित कीमत लक्ष्य के साथ इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

वारी एनर्जीज का विदेशी राजस्व 20 प्रतिशत गिरा, मार्जिन पर दबाव

पश्चिम एशिया संकट से निर्यात प्रभावित, महंगी धातुओं ने मार्जिन घटाया

नई दिल्ली ।

वारी एनर्जीज को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पश्चिम एशिया संकट से विदेशी बाजारों से प्राप्त राजस्व करीब 20 प्रतिशत गिरा, जबकि महंगी कमोडिटी कीमतों ने मार्जिन पर दबाव डाला। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट से खेपों में देरी हुई और स्टॉक बढ़ गया। इससे कंपनी को कम महंगे बाजारों में निर्यात करना पड़ा, जिससे राजस्व मिश्रण बिगड़ गया। विदेशी प्रीमियम बाजार ने पिछली तिमाही में कुल राजस्व में 32.6 प्रतिशत का योगदान दिया था। तिमाही में कंपनी का मार्जिन घटकर 18.6 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 23 प्रतिशत था। मार्जिन में गिरावट का मुख्य कारण चांदी, तांबे और एल्युमीनियम जैसी कमोडिटी की रिकॉर्ड उच्च कीमतें रहीं। चांदी की कीमतों ने सेल लागत पर भारी असर डाला। गैस की कमी ने कांच की कीमतों को भी प्रभावित किया। इन चुनौतियों के बावजूद, वारी एनर्जीज अगले दो वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च करेगी। यह निवेश बैटरी ऊर्जा भंडारण, इंगट-वेफर, सेल और ग्लास विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 356 , निफ्टी 121 अंक उछला

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामें में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले, इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई।

इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं। आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है।

डीमार्ट के शेयर 4 फीसदी गिरे, मिश्रित तिमाही नतीजों का दिखा असर

नई दिल्ली ।

रिटेल दिग्गज एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के शेयर 4 मई को 4 फीसदी गिरावट के साथ 4,407 रुपए पर आ गए। मार्च तिमाही के मिश्रित नतीजों ने बाजार को प्रभावित किया, जहां कंपनी का शुद्ध मुनाफा 656.6 करोड़ रुपए रहा, जो विश्लेषकों के 680 करोड़ रुपए के अनुमान से कम था। हालांकि डीमार्ट का परिचालन प्रदर्शन मजबूत दिखा। राजस्व 18.9 फीसदी बढ़कर 17,683.9 करोड़ रुपए और ऐ बि टा 26.7 फीसदी बढ़कर 1,210.5 करोड़ रुपए रहा, जो अनुमान से अधिक था। यह कंपनी के बेहतर परिचालन और मार्जिन में सुधार को दर्शाता है। शुरुआती गिरावट के बावजूद डीमार्ट का शेयर पिछले एक साल में 10.4 फीसदी ऊपर है।

टाटा समूह में लिस्टिंग पर मतभेद के बीच ट्रस्ट प्रतिनिधियों की होगी समीक्षा

8 मई की बैठक में होगा फैसला, टाटा संस को सूचीबद्ध करने पर अलग-अलग राय से तनाव

मुंबई ।

टाटा समूह में नियंत्रण और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण मोड़ आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स 8 मई को होने वाली अपनी बैठक में टाटा संस के निदेशक मंडल में अपने प्रतिनिधियों की भूमिका की गहन समीक्षा करने जा रहा है। कुछ प्रतिनिधियों के सार्वजनिक रूप से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का समर्थन करने के बाद यह कदम उठाया गया है, जबकि ट्रस्ट के भीतर एक बड़ा धड़ा इसे निजी ही बनाए रखने के पक्ष में है। जानकारी के अनुसार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष वेनु श्रीनिवासन और विजय सिंह जैसे सदस्यों द्वारा सूचीबद्धता के पक्ष में दिए गए हालिया बयान चर्चा का विषय बने हुए हैं। जबकि ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व में अधिकांश सदस्य कंपनी को निजी ही बनाए रखने के पक्षधर हैं। ट्रस्ट अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके नामित सदस्य उसकी मौजूदा सोच और रणनीति के अनुरूप हों। पिछले साल विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में दोबारा जगह न मिलने के बाद अब वेनु श्रीनिवासन की स्थिति पर भी संशय बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि इन बदलावों का टाटा समूह की भविष्य की रणनीति और नेतृत्व पर गहरा असर पड़ सकता है। बैठक में एक स्थायी ट्रस्टी से जुड़ी शिकायत पर भी विचार हो सकता है, जो आंतरिक समीक्षा की गंभीरता को दर्शाता है। यह बैठक समूह के भविष्य की दिशा तय करने में

निजी बैंकों का थोक ऋण पर जोर, बैंक 27 में रिकवरी की कर रहे उम्मीद

बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों ने अपनी ऋण वृद्धि को गति देने के लिए कॉर्पोरेट और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण देने पर जबरदस्त भरोसा जताया है। इस अवधि में खुदरा ऋणों में धीमी, एकल अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बैंकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। हालांकि, बैंक वित्त वर्ष 2027 में खुदरा ऋण में तेजी आने की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उनके बही खाते में सार्थक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिमी एशिया में तनाव के बावजूद, अर्थव्यवस्था के विशिष्ट क्षेत्र जैसे डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा और रक्षा के साथ-साथ कुछ बड़े औद्योगिक समूह मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार में अपेक्षाकृत महंगी स्थितियों ने भी कंपनियों को बैंकों से ऋण लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे बड़े बैंकों को इन क्षेत्रों में ग्राहक संबंधों का लाभ उठाते हुए ऋण वितरण में बड़ा हिस्सा मिल रहा है। बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया। खुदरा मोर्चे पर, ऋण वितरण वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन इसका असर बही खाते पर दिखने में आमतौर पर दो से तीन तिमाही लगती हैं। पहले, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण उच्च लागत वाले ऋणों को पुनर्वित्त कराने का चलन था, जिससे बकाया राशि में वृद्धि दिखती थी। अब जब ब्याज दरें स्थिर हैं, पुनर्वित्त कम हो रहा है, और वितरण पाइपलाइन सीधे ऋण विस्तार में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। देश के तीन सबसे बड़े निजी बैंकों ने इस प्रवृत्ति को दर्शाया। एचडीएफसी बैंक ने खुदरा बही खाते में केवल 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि इसके छोटे और मध्यम बाजार खंड में 17.2 फीसदी और कॉर्पोरेट उधार में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। एक्सिस बैंक में खुदरा वृद्धि 8 फीसदी रही, जबकि एसएमई ऋण में 24 फीसदी और कॉर्पोरेट ऋण में 38 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई। आईसीआईसीआई बैंक की खुदरा बही खाता वृद्धि 9.5 फीसदी बढ़ी, लेकिन यह उसके बिजनेस बैंकिंग और ग्रामीण पोर्टफोलियो से काफी कम थी। एक्सिस बैंक के एक अधिकारी ने भी थोक बैंकिंग में मजबूत अवसरों की पुष्टि की, जबकि खुदरा वितरण की मजबूती पर जोर दिया, जिसका प्रभाव धीरे-धीरे बही खाते पर दिखेगा। कुल मिलाकर, निजी बैंक फिलहाल कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्रों पर अपनी वृद्धि के लिए निर्भर कर रहे हैं, जबकि खुदरा बाजार में भविष्य की तेजी का इंतजार कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय विनिर्माण में चमक, पर महंगाई का दबाव बढ़ा

- अप्रैल में खरीद प्रबंधक सूचकांक 54.7 पहुंचा, परिचालन स्थितियों में सुस्ती और बढ़ी लागत से चुनौतियां

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल माह में भारतीय विनिर्माण गतिविधियों ने अपनी गति बनाए रखी है। एचएसबीसी द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 पर पहुंच गया, जो क्षेत्र में लगातार विस्तार का संकेत है। हालांकि, इसी अवधि में परिचालन परिस्थितियों में पिछले चार सालों की दूसरी सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति का दबाव स्पष्ट दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन, निर्यात सहित नए ऑर्डर और रोजगार में अप्रैल माह में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनियों के प्रबंधकों ने विज्ञापन और मजबूत मांग को बिक्री और उत्पादन में वृद्धि का कारण बताया। विदेशों से नए ऑर्डर में भी सात महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, चीन और खाड़ी देशों से महत्वपूर्ण योगदान मिला। हालांकि एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमआई में बढ़ोतरी के बावजूद परिचालन परिस्थितियों में सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज हुई है। पश्चिम एशिया संकट का असर अब स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति पर दिख रहा है। लागत अगस्त 2022 के बाद सबसे तेजी से बढ़ी है, वहीं उत्पादों की कीमतें पिछले छह महीने में उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एल्यूमीनियम, रसायन, ईंधन और पेट्रोलियम उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कंपनियों पर लागत का बोझ बढ़ा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए ऑर्डर और उत्पादन में

वृद्धि हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार कम से कम साढ़े तीन साल में सबसे धीमी रही है। कुल मिलाकर मुद्रास्फीति की दर अगस्त 2022 के बाद के उच्चतम स्तर पर रही, जिसके कारण विनिर्माताओं को अपने उत्पादों के दाम में बढ़ोतरी करनी पड़ी। हालांकि, उपभोक्ता उत्पाद एकमात्र उपवर्ग रहा जहां कीमतों में कमी आई।

पीपीएफ खाता निष्क्रिय? घबराएं नहीं, ऐसे करें दोबारा एक्टिवेट

आपका पैसा सुरक्षित, लेकिन सुविधाओं के लिए जरूरी है सक्रिय करना

नई दिल्ली ।

अगर आप भी अपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड खाते में सालाना न्यूनतम 500 रुपये जमा करना भूल गए हैं और आपका खाता निष्क्रिय हो गया है, तो चिंता न करें। आपका निवेश सुरक्षित है और इसे दोबारा सक्रिय करना बेहद आसान है, ताकि आप सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। पीपीएफ नियमों के तहत हर वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर खाता निष्क्रिय हो जाता है। अच्छी खबर यह है कि निष्क्रिय होने के बावजूद आपके जमा पैसे पर ब्याज मिलता रहता है, क्योंकि यह सरकारी गारंटी वाली योजना है। हालांकि, आप लोन या आंशिक निकासी जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। खाता दोबारा सक्रिय करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर एक लिखित आवेदन देना होगा। साथ ही प्रत्येक निष्क्रिय वर्ष के लिए 50 रुपये का जुर्माना और 500 रुपये का न्यूनतम निवेश जमा करना होगा। उदाहरण के लिए, 2 साल के बंद खाते के लिए आपको 100 रुपये जुर्माना और 1000 रुपये बकाया निवेश जमा करने होंगे। यह प्रक्रिया फिलहाल ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ का 2031 तक 5 लाख करोड़ मार्केट कैप का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

- नई कॉर्पोरेट पहचान, क्राफ्टिंग टुमॉरो उद्देश्य और ईएसजी प्रतिबद्धताओं पर ज़ोर

मुंबई।

भारत के पुराने व्यापारिक घरानों में से एक, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप (जीआईजी) ने 2031 तक 5,00,000 करोड़ रुपये से अधिक मार्केट कैप हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुंबई में, समूह ने अपनी भविष्य की रणनीतियों और नई कॉर्पोरेट पहचान का अनावरण किया। ग्रुप अगले सात वर्षों में 15 फीसदी से अधिक वार्षिक बिक्री वृद्धि और 20 फीसदी से अधिक प्रति शेयर आय वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसके लिए सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या तीन से बढ़ाकर पांच की जाएगी, साथ ही प्रत्येक कंपनी का लक्ष्य इक्विटी पर 18 फीसदी से अधिक रिटर्न देना होगा। रणनीतिक बदलाव के तहत जीआईजी ने निवेशकों हेतु नई कॉर्पोरेट जीआई पहचान पेश की है, जो गोदरेज के उपभोक्ता लोगो की जगह नहीं लेगी। क्राफ्टिंग टुमॉरो सिंस 1897 के नए उद्देश्य के साथ, समूह द गोदरेज वे के मूल्यों - प्रदर्शन, लोग और ग्रह (पर्यावरण) पर ज़ोर देता है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ने 2035 तक नेट-ज़ीरो परिचालन और 2047 तक ग्रह-हितैषी आपूर्ति श्रृंखला का लक्ष्य रखा है। अगले पांच वर्षों में, समूह में महिलाओं, एलजीबीटीक्यू प्लस और दिव्यांगजनों का 40 फीसदी प्रतिनिधित्व हासिल करने की भी योजना है, जो समावेशी कार्य संस्कृति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बजाज ऑटो की बिक्री अप्रैल में 40 फीसदी बढ़कर हुई 5,13,792 इकाई

नई दिल्ली।

बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी।निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी। दोपहिया वाहनों का निर्यात 78 प्रतिशत बढ़कर 2,29,890 इकाई हो गया जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 1,29,322 इकाई था। कंपनी ने बताया कि वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री अप्रैल 2026 में 54 प्रतिशत बढ़कर 73,839 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष इसी महीने में 47,873 इकाई थी।

ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम से एशियाई बाजारों में सकारात्मक शुरुआत

दक्षिण कोरियाई सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

एशियाई शेयर बाजारों ने सप्ताह की शुरुआत मजबूत सकारात्मक रुख के साथ की, जिसमें दक्षिण कोरियाई सूचकांक ने नया रिकॉर्ड स्तर छुआ।

निवेशक जहां वैश्विक हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम ने उन्हें कुछ राहत प्रदान की है।

यह पहल अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम घोषणा में होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है, में गैर-संबद्ध देशों के नागरिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और हजारों सैनिकों की तैनाती शामिल है।

जानकारों का मानना है कि इस रणनीतिक कदम से अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

बाजारों में, दक्षिण कोरिया की रिकॉर्ड बढ़त के अलावा, भारत और हांगकांग के सूचकांक भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जापान और चीन के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे।

कच्चे तेल की कीमतें शुरुआती कारोबार में लगभग स्थिर रहीं, जिससे निवेशकों की सतर्कता का पता चलता है। विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति, खासकर अमेरिका-ईरान संबंधों और तेल कीमतों पर पैनी नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि ये कारक बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अदाणी के पक्ष में फैसला, एनसीएलएटी ने वेदांता की जेएएल चुनौती खारिज की

ऋणदाताओं की समिति के व्यावसायिक निर्णय को कायम रखा

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के पक्ष में फैसला सुनाया है। एनसीएलएटी ने वेदांता लिमिटेड की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें अदाणी की सफल बोली को चुनौती दी गई थी। न्यायालय की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि अपील में कोई दम नहीं है और निर्णायक प्राधिकरण (एनसीएलटी) के निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के निर्णय को विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित बताया। एनसीएलएटी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई महत्वपूर्ण अनियमितता नहीं की गई। वेदांता ने अपनी बोली को सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक बताते हुए मूल्यांकन मानदंडों पर सवाल उठाया था। हालांकि, एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को अस्वीकार करना मनमाना या अनुचित नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि एनसीएलटी ने 17 मार्च को अदाणी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन दोनों जगह उसे राहत नहीं मिली। अदाणी को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 प्रतिशत मत मिले थे।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुकसान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

आईपीएल में आज होगा सनराइजर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2026 के 49वें मैच में बुधवार को अपने घरेल मैदान में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। सनराइजर्स का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदार पक्की करना रहेगा। अभी वह 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ ही वह अंक तालिका में अभी 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

वहीं दूसरी ओर नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स ने अपने 8 मैच जीते हैं जबकि एक मैच का परिणाम बारिश के कारण नहीं आया। जिससे उसके कुल 13 अंक हैं और वह शीर्ष पर है उसका लक्ष्य ये मैच भी जीतकर अपना स्थान बनाये रखना होगा। इससे पहले हुए मैच में पंजाब ने मुल्लानपुर में हुए मुकाबले में सनराइजर्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं हैदराबाद की टीम उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला तकरीबन बराबरी का है।

पंजाब के पास प्रभसिमरन सिंह , प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन , हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में सनराइजर्स की कमान कप्तान पैट कमिंस के पास रहेगी, इसके अलावा उसके पासा हर्षल पटेल, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज भी हैं। हीं पंजाब के पास मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच25 मुकाबले हुए हैं जिसमें से

सनराइजर्स हैदराबाद ने 17 जबकि पंजाब किंग्स ने 8 जीते हैं।ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, अनिकेत वर्मा, शिवांग कुमार, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, नेहल वढेरा, मार्को यानसन, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, इम्पैक्ट प्लेयर: विजयकुमार वैशाक

एवर्टन से मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहने से मैनचेस्टर सिटी की खिताब जीतने की संभावनाएं कम हुईं

लंदन (एजेंसी)। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब की दौड़ में मैनचेस्टर सिटी पिछड़ती जा रही है। एवर्टन के खिलाफ हुए मुकाबले के 3-3 से बराबरी पर रहने से भी अंक तालिका में उसे झटका लगा है। इससे उसके खिताब जीतने की उम्मीदें कम हुई हैं। इस ड्रॉ के साथ ही अब सिटी शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल क्लब से पाँच अंक पीछे है, जबकि उसे अब लीग में केवल एक ही मैच खेलना है। दूसरी ओर आर्सेनल को अभी अपने तीन मैच खेलने हैं, और यदि वे इन सभी मैचों में जीत हासिल कर लेते हैं, तो खिताब उन्हें मिल जाएगा।वहीं , मध्य तालिका में मौजूद एवर्टन के लिए यह ड्रॉ काफी महत्वपूर्ण था, इससे यूरोपीय क्वालिफिकेशन की उसकी उम्मीदें बरकरार रहेंगी।

इस मैच की शुरुआत में, मैनचेस्टर सिटी ने खेल पर पूरी तरह से दबाव बनाए रखा। पहले 20 मिनट में अधिकतर समय गेंद सिटी के पास रही थी। वहीं एवर्टन की रक्षापंक्ति पर दबाव बना रहा। उसे पास पासिंग के साथ ही आक्रमण के अवसर कम मिले। वहीं 43वें मिनट में जेरेमी डोकू ने गोल दागकर सिटी को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में खेल में बदलाव आया और एवर्टन ने वापसी करते हुए सिटी के डिफेंस को तोड़ते हुए केवल 13 मिनट के अंदर ही तीन गोल कर मुकाबले को पूरी तरह पलट दिया। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी थिएनों बैरी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे जबकि जेक ओब्रायन ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। वहीं सिट ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 83वें मिनट में स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के एक बेहतरीन गोल से अंतर 3-2 तक पहुंचाया। ,मैच इंजरी टाइम में मैच पहुंचने के बाद एवर्टन की जीत लगभग तय दिख रही थी। इसी दौरान स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में, जेरेमी डोकू ने ए अपना दूसरा गोल कर मैच को 3-3 से बराबरी पर ला दिया।

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुम्बई इंडियंस में वापसी से उठे सवाल

-टीम में सबकुछ ठीक नहीं होने की अटकलें तेज हुईं

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और क्रिकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल रही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था।

हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया?

अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

सुपर जायंट्स-मुम्बई इंडियंस मैच के बाद अंकतालिका में नहीं आया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम ने यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में जीत दर्ज की है पर इसके बाद भी अंकतालिका में उसका स्थान नहीं बदला और वह नौवें स्थान पर ही बनी हुई है। मुंबई के इस सत्र में मिली इस तीसरी जीत ने 10 मैचों में 6 अंक हो गये हैं और वह , अंक तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में केवल 4 अंकों के साथ ही तालिका में दसवें स्थान पर कायम है। अंक तालिका में पंजाब किंग्स की टीम

ने 9 मैचों में 6 जीत और एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाने से मैच से 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है।

तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैदराबाद, राजस्थान और गुजरात की टीमें हैं, जिन्होंने 10-10 मैच खेलकर 6-6 जीत से 12-12 अंक हासिल किए हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सनराइजर्स अंक तालिका में इनमें सबसे ऊपर है। सातवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स है, जबकि आठवें स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। इन दोनों टीमों ने 9-9 मैच खेलने के बाद 4-4 मुकाबले जीते हैं, जिससे उनके 8-8 अंक हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच लैंगर ने माना, ऋषभ रन नहीं बना पा रहे

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम इसी कारण अंतिम स्थान पर है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। इसी कारण टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 200 से अधिक रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का बचाव नहीं कर सकी। टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे कप्तान ऋषभ पंत का रन न बनाना भी एक बड़ा कारण रहा है। वहीं मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद कोच जस्टिन लैंगर ने भी माना है कि कप्तान का फार्म ठीक नहीं है।

मुंबई के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने रन बनाये थे पर मैच के दौरान वह विफल रहे। इस मैच में उन्होंने जोश इंग्लिस को मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु करने भेजा था। वहीं निकोलस पूरन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। ऋषभ चौथे नंबर पर उतरे पर वह केवल 15 रन ही बना पाये। इसी को लेकर लैंगर ने कहा कि मैच से दो दिन पहले हुए एक अभ्यास सत्र में कप्तान ने 30 से 40 गेंदों में तेजी से 95 रन बनाए थे। लैंगर ने कहा, हमने दो दिन पहले एक अभ्यास मैच खेला था, और उसमें कप्तान ने शायद 40 या 30 गेंद में 95 रन बनाए थे।उन्होंने ऋषभ की क्षमताओं की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, हम जानते हैं। हमने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में पांचवें नंबर पर टीमों को तबाह करते देखा है। कोच ने यह भी जोड़ा कि उन्हें लगा था कि सात दिनों के ब्रेक के बाद और प्रैक्टिस में पंत के शानदार प्रदर्शन के चलते, मैच में उनका प्रदर्शन टीम के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।लैंगर ने कह कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव भी कप्तान ने स्वयं किया था। साथ ही उम्मीद जतायी कि वह अगले कुछ मैचों में हमें जीत दिलाएंगे दिलाएंगे।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदानी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदानी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदानी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदानी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देंगी। जेमिमा ने नंदानी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढ़ल जाएंगी। नंदानी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदानी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदानी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है। इसी अच्छे प्रदर्शन और अमनजोत कौर व काशवी गौतम जैसे खिलाड़ियों के बाहर होने से नंदानी को टीम को जगह मिली है। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने नंदानी का स्वागत करते हुए उनके घरेलू क्रिकेट और डब्लयूपीए में प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले, नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुम्बई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया। गावस्कर ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट में पेशेवर खिलाड़ियों का नो बाल फेंकना बिल्कुल भी स्वीका'नहीं किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे फिर मत सिखाये। मुझे मत बताइए कि बुमराह ने नो-बॉल फेंकी है। यह स्वीकार्य नहीं है। आप एक पेशेवर क्रिकेटर हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। वाइड गेंद समझ में आती है पर नो-बॉल नहीं।' गौरतलब है कि लखनऊ के खिलाफ भी बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और अपने ओवरों में उन्होंने 45 रन दे दिये। आईपीएल 2026 में बुमराह ने 10 मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं। यही कारण है कि मुंबई इंडियंस को कई मुकाबलों में हार कसा सामना करना पड़ा है। बुमराह डेथ ओवर्स में दबाव बनाते थे और मुम्बई को आगे रखते थे, पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया जिससे विरोधी टीमों के बल्लेबाज हावी हो गये।

टी20 का क्रेज वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट की असलियत से नहीं बचा पाएगा, संजय मांजरेकर का तीखा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने इस बढ़ती मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन अभी के लिए उन्होंने इसे सिर्फ टी20 तक ही सीमित रखा है। मांजरेकर ने उनके जबरदस्त आईपीएल 2026 प्रदर्शन की ओर इशारा किया जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसे वर्ल्ड-क्लास गेंदबाजों के खिलाफ भी निडर होकर खेला था।

सूर्यवंशी, जो अब 15 साल के हैं, ने पिछले साल अपने पहले आईपीएल सीजन में एक ऐतिहासिक शतक लगाकर क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया था। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया जिसमें इस साल की शुरुआत में -19 वर्ल्ड कप के फाइनल में बनाया गया रिकॉर्ड 175 रनों का स्कोर भी शामिल है। आईपीएल2026 में उन्होंने अपने प्रदर्शन को एक और ऊंचाई पर पहुंचाते हुए 10 मैचों में 404 रन बनाए और वह भी 237.64 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से।

इन शानदार प्रदर्शनों के बाद यह अटकलें तेज हो गईं कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) आईपीएल के बाद उन्हें सीधे नेशनल टीम में शामिल कर सकता है, और मांजरेकर भी इस बात से सहमत थे। स्पोर्टस्टार के 'इनसाइट एज' पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए–जहाँ उन्होंने एक शतक [महाराष्ट्र के ख़िलाफ़] भी बनाया है–मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर कोई खिलाड़ी इस तरह से इस बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेर रहा है, तो इसका मतलब है कि वह पूरी तरह से तैयार है।%

उन्होंने यह भी माना कि भारत के पास पहले से ही ओपनर्स की एक लंबी कतार मौजूद है जिसमें शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, ऐसे में

सूर्यवंशी को टीम में शामिल करना शायद उतना आसान न हो। उन्होंने आगे कहा, %हो सकता है कि वह तो तैयार हों, लेकिन क्या दूसरे खिलाड़ी उनके लिए अपनी जगह छोड़ने को तैयार हैं? क्योंकि भारत में ओपनिंग स्लॉट्स के लिए खिलाड़ियों के बीच काफी जबरदस्त मुकाबला चल रहा है। अगर सूर्यवंशी इज्ज़त चाहता है...'

मांजरेकर ने कहा कि सूर्यवंशी उन नए दौर के क्रिकेटरों में से एक है जो टी20 क्रिकेट के हिसाब से आक्रामक, बाउंड्री लगाने वाले अंदाज में खेलते हैं, और अक्सर अपने हाथ खोलने के लिए जगह बनाते हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह तरीका टेस्ट क्रिकेट में शायद काम न आए। उन्होंने कहा, 'हाल के सालों के लगातार अच्छा खेलने वाले टी20 बल्लेबाजों को देखें, तो सूर्यवंशी लेग साइड में रहता है और मिडिल स्टंप पर आई गेंद को पॉइंट की तरफ मारता है, क्योंकि वह ऐसा करने के लिए जगह बनाता है। टेस्ट क्रिकेट में सलाह यह दी जाती है कि गेंद के जितना हो सके करीब जाकर खेलें। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में गेंद से दूर रहकर आप रन नहीं बना पाएंगे।'

मांजरेकर ने आखिर में कहा कि जहां टी20 क्रिकेट से शोहरत और पैसा मिल सकता है, वहीं असली इज्जत तो टेस्ट क्रिकेट में ही है और इसके लिए खेल की तकनीक में कुछ बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा मशहूर और अमीर बने, तो टी20 बैटिंग उसके लिए सही है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि वह हम जैसे लोगों, यानी क्रिकेट के जानकारों से इज्जत कमाए, तो उसे गेंद की लाइन के जितना हो सके करीब जाकर खेलना होगा।'

भारत के स्कीट निशानेबाज आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

अल्माटी (कजाखस्तान)। भारतीय स्कीट निशानेबाजों ने मंगलवार को यहां ISSF विश्व कप शॉटगन में निराश किया जब पुरुषों और महिलाओं दोनों ही वर्ग वे फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ओलंपियन मैराज अहमद खान और रेजा ढिल्लों भारतीय निशानेबाजों में शीर्ष पर रहे। सोमवार को 75 में से 71 का स्कोर बनाकर दूसरे दिन की शुरुआत 26वें स्थान से करने वाले मैराज ने अंतिम दो सीरीज में 23 और 25 का स्कोर किया। वह कुल 119 अंक के साथ क्वालीफिकेशन चरण में 18वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भवतेग सिंह गिल भी 119 अंक (24, 24, 23, 24, 24) के साथ मैराज से एक स्थान नीचे 19वें पायदान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने चौथी सीरीज की शुरुआत पूरे 25 अंक के साथ की लेकिन अगली सीरीज में 23 अंक से कुल 117 अंक के साथ 38वां स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में तीसरे भारतीय निशानेबाज राष्ट्रीय चैंपियन गुरजोत सिंह खंगुरा ने अपनी अंतिम दो सीरीज में 22 और 23 का स्कोर किया। वह 115 अंक के साथ 54वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे अभय सिंह सेखों ने चौथी और पांचवीं सीरीज में 23 और 20 का स्कोर किया। वह कुल 113 अंक के साथ 71वें स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में पहले दिन के बाद नौवें स्थान पर चल रही गनेमत सेखों अंतिम दो सीरीज में 22 और 20 के खराब स्कोर से कुल 112 अंक के साथ 33वें स्थान पर खिसक गईं। रेजा ढिल्लों ने 115 अंक (22, 23, 24, 23, 23) के साथ 17वां स्थान हासिल किया। परिनाज धालीवाल आखिरी दो सीरीज में 24 और 22 के स्कोर से कुल 112 अंक से 32वें स्थान पर रहीं। रैंकिंग अंक के लिए मुकाबला कर रहीं वंशिका तिवारी और रश्मि राठौड़ क्रमश: 112 और 102 अंक के साथ 29वें और 47वें स्थान पर रहीं।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

टोक्यो । जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा

कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

भारत का जलवा बरकरार, टी20आई रैंकिंग में नंबर 1 पर कायम टीम इंडिया

दुबई (एजेंसी)। तीन बार की वर्ल्ड कप विजेता टीम भारत ने मंगलवार को ICC T20I रैंकिंग में टॉप स्थान बरकरार रखा जिसके बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारत ने मार्च में इतिहास रच दिया था, जब उसने श्रीलंका के साथ मिलकर टी20 वर्ल्ड कप की मेज़बानी की थी। भारत टी20 वर्ल्ड कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाने वाली और इसे रिकॉर्ड तीसरी बार जीतने वाली पहली टीम बन गई थी।

ICC ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग में मई 2025 से खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो सालों के मैचों को 50 प्रतिशत वेटेज दिया गया है।' इसमें आगे कहा गया, '275 अंकों के साथ भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त सिर्फ एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के काफी करीब है।'

दो बार की विजेता इंग्लैंड के पास 262 रेटिंग अंक हैं, जबकि एक बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास 258 अंक हैं। कुल मिलाकर ICC T20I रैंकिंग में टॉप 7 टीमों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज़ (233) अपनी-अपनी पोज़िशन पर बरकरार हैं। हालांकि, श्रीलंका (221) ने छह रेटिंग अंक गंवा दिए हैं और नौवें स्थान पर खिसक गई है, जबकि बांग्लादेश (225) एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गई है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका से उसका अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं।

ICC ने कहा, 'उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई ताकत, USA, छह अंक हासिल करके दो स्थान ऊपर चढ़ गई है और 13वें स्थान पर पहुंच गई है; उसने नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार रही, जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) ने एक-एक स्थान की छलांग लगाई और क्रमशः UAE (18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ दिया।'

ICC ने बताया कि रैंकिंग में शामिल टीमों की संख्या 102 से घटकर 98 हो गई है। ICC ने कहा, 'रैंकिंग में शामिल टीमों की संख्या 102 से घटकर

98 हो गई है, क्योंकि फिजी, गाम्बिया, ग्रीस और इजराइल इस लिस्ट में जगह नहीं बना पाए। इसकी वजह यह है कि उन्होंने पिछले तीन सालों में जरूरी आठ T20I मैच नहीं खेले।'

भूत-बंगला ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म 'भूत-बंगला' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ इसमें लगा दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'यहां तक का हर कदम मेहनत, सीख और गहरी भावनाओं से भरा है। यह तो बस शुरुआत है... मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी... हमेशा।' बता दें कि वामिका गब्बी की झोली में पांच फिल्में हैं, जो आने वाले सालों में रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री मिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी,' दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग,' 'पति पत्नी और वो दो', पंजाबी फिल्म 'किकली,' और एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कुछ फिल्में इसी साल तो कुछ फिल्में साल 2027 में रिलीज होने वाली हैं।

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं अभिनेत्री

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। 'गरम मसाला', 'ट्रैफिक सिग्नल' और 'ओए लकी! लकी ओए!' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बिहार से निकलकर बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड तक के सफर के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और 'अनावश्यक' बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, 'मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।'

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, 'आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास 'एयरपोर्ट लुक्स' के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।'

अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, 'इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लड़ना आसान नहीं होता।'

एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं।' बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म 'खलनायक 2' में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग काम करके खुश हैं अदा शर्मा

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा , 'मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज बाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वे उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।

अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, 'वह इस फिल्म का चेहरा हैं। 'गवर्नर' में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वे वाकई जबर्दस्त हैं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है'।

रेसिज्म पर बोले नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्मों में अपनी दमदार और अलग-अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। अब हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड में होने वाले रेसिज्म और ब्यूटी स्टैंडर्ड्स पर खुलकर अपनी राय दी। साथ ही उन्होंने एक पुरानी एक्ट्रेस का उदाहरण देते हुए इस बात को समझाया। एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने अपने करियर में रेसिज्म का सामना किया है, लेकिन उनका मानना है कि इंडस्ट्री ने उन्हें अपने तरीके से जगह भी दी। इस दौरान उन्होंने दिग्गज एक्ट्रेस स्मिता पाटिल की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने उनसे ज्यादा खूबसूरत किसी को नहीं देखा। उन्होंने कहा कि फिल्मों में खूबसूरती और कास्टिंग को लेकर जो सोच है, वो काफी हद तक कहानियों से ही आती है। उन्होंने समझाया कि अक्सर इंडस्ट्री में पहले से तय होता है कि किरदार कैसा दिखना चाहिए। नवाजुद्दीन ने कहा, 'लोगों की अपनी सोच होती है, लेकिन उसे सिस्टम में मत डालिए। अगर कोई लड़की ऐसी है, तो वो लीड नहीं बन सकती, ऐसा नहीं होना चाहिए। लेकिन इसमें उनकी भी गलती नहीं है, क्योंकि कहानियां ही ऐसी लिखी जाती हैं। गोरी लड़की के हिसाब से कहानियां बनाई जाती हैं। आपको एक ब्रीफ मिलता है और बहुत लोग इसी से जूझ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि खूबसूरती हर जगह अलग-अलग तरह से देखी जाती है और इन टैग्स से किसी एक्टर की काबिलियत तय नहीं होनी चाहिए। इसी दौरान नवाजुद्दीन ने स्मिता पाटिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें कैमरे पर उनसे ज्यादा खूबसूरत कोई नहीं लगा। उनके मुताबिक, कैमरे की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसमें असली खूबसूरती नजर आती है।

मैं हमेशा अपनी अभिनय क्षमता को निखारने की कोशिश करती हूं

साउथ की अभिनेत्री ममिता बैजू फिल्म 'कारा' में धनुष के साथ नजर आ रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से तमिल दर्शक, फिल्ममेकर्स से यह मांग कर रहे हैं कि वे मुख्य भूमिकाओं में क्षेत्रीय कलाकारों को ही कास्ट करें। इस बीच विग्नेश राजा को इस बात के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है कि उन्होंने 'कारा' में मलयालम अभिनेत्री ममिता बैजू को कास्ट किया। इस मामले पर ममिता बैजू ने अपनी राय रखी है।

बातचीत में, जब ममिता से तमिल फिल्मों की कास्टिंग को लेकर चल रही चर्चा पर उनकी राय पूछी गई, तो उन्होंने कहा, 'जब मुझे यह मौका मिला, तो मैंने इसे लपक लिया। एक अभिनेत्री के तौर पर, मैं हमेशा कुछ नया आजमाने और अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक निखारने की कोशिश करती हूं। मुझे ऐसा करने का मौका मिल रहा है और मैं इसे कर रही हूं। इसलिए, यह सबसे पहले फिल्ममेकर की पसंद होती है, जो मुझे किसी खास किरदार में देखते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। मैं काम करना चाहती हूं और अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे यह मौका मिल रहा है, इसलिए यह बिल्कुल भी अनुचित नहीं है। अगर मैं उस किरदार में पूरी तरह से ढल पाती हूं और दर्शकों को विश्वसनीय लगती हूं, तो यह मेरी उपलब्धि है। अगर कोई किरदार ग्रामीण पृष्ठभूमि का है और मैं उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हूं, तो मेरे लिए यह उपहार है। इससे भाषा की सीमाएं टूटती हैं। यह मेरा पेशा है, और अपनी सीमाओं का विस्तार करना मेरी जिम्मेदारी है।'

'कारा' में धनुष और ममिता के अलावा जयराम, करुणास, सूरज वेंजारामूडु और के.एस. रविकुमार जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी करता है। इसके निर्देशक विग्नेश राजा हैं।

धनुष के बारे में बोली ममिता

ममिता बैजू ने धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और बताया कि वह एक समर्पित अभिनेता हैं, जो अपने किरदार पर बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।

ओटीटी, थिएटर फिल्म तीनों मीडियम के अपने अपने चैलेंज हैं

साई ताम्हणकर इन दिनों वेब सीरीज 'मटका किंग' में नजर आ रही हैं, जो 60 के दशक के बैकग्राउंड पर आधारित एक दिलचस्प कहानी है। इस प्रोजेक्ट में वे 'बरखा' जैसे दमदार किरदार में दिखाई दी हैं। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत में अभिनेत्री ने अपने किरदार, इंडस्ट्री में टाइपकास्टिंग, पैन इंडिया ट्रेंड, पर्सनल लाइफ और एक्टिंग के बदलते दौर और अपनी शादी पर खुलकर बात की।

'मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी'

कुछ साल पहले मैंने एक फाउंडेशन के लिए एक गाने पर काम किया था, जिसे नागराज मुंगले ने डायरेक्ट किया था। उस दौरान हमारी थोड़ी सी बातचीत हुई थी और तभी से मेरे मन में कहीं न कहीं ये इच्छा थी कि मुझे उनके साथ फिर से काम करना है। जब मुझे पता चला कि 'मटका किंग' को वही डायरेक्ट कर रहे हैं, तो मेरे पास 'ना' कहने की कोई वजह ही नहीं थी। मुझे लगा कि यह एक बेहतरीन कोलैबोरेशन होगा, अच्छे कलाकार और पूरी टीम के साथ काम करने का मौका मिलेगा। कुछ प्रोजेक्ट्स ऐसे होते हैं, जिनके बारे में आपको पहले से ही भरोसा होता है कि यह प्रोडक्शन हाउस कुछ दिलचस्प ही बनाएगा। अगर आप अदिति रॉय के काम को देखें, तो उन्होंने हमेशा अलग और इंट्रेस्टिंग प्रोजेक्ट्स किए हैं। सच कहूं तो मेरा रिएक्शन यही था, मैं तो खुशी से उछल पड़ी थी।

'50-90 के दौर में जीना चाहूंगी'

इस सीरीज में हमने 60 'ह्य का दौर दिखाया है। मुझे ऐसा लगता है कि उस दौर में लोग जिंदगी को ज्यादा एंजॉय करते थे। लाइफ थोड़ी ज्यादा लेड बैक थी, लेकिन साथ ही उसकी क्वालिटी भी बहुत अच्छी थी। वो दौर अपने आप में काफी फैशनेबल भी था। कॉस्ट्यूम्स को देखकर मैं सच में हैरान रह गई थी, लोग वेलवेट जैसे फैब्रिक्स पहनते थे, जो बहुत ही रॉयल और एलिगेंट लगता था। अगर कुछ साल पहले मुझसे पूछा जाता कि मैं किस दौर में टेलिपोर्ट करना चाहूंगी, तो शायद मैं किसी ऐतिहासिक युग का नाम लेती। लेकिन अब अगर आप मुझसे पूछेंगे, तो मैं कहूंगी कि मैं 50 के दशक से 90 के दशक के बीच के दौर में वापस जाना चाहूंगी। वो समय मुझे बेहद खूबसूरत, स्टाइलिश और दिल के करीब लगता है। आजकल एक्टर की लाइफ पहले से ज्यादा चैलेंजिंग हो गई है, क्योंकि हम एक साथ कई तरह के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे होते हैं। जैसे मेरे साथ अक्सर ऐसा होता है कि मैं एक मराठी फिल्म कर रही होती हूं और साथ ही कोई दूसरा प्रोजेक्ट भी चल रहा होता है। कई बार डेट्स भी बिखरी हुई होती हैं, तो आपको बीच बीच में किसी प्रोजेक्ट से जुड़ना पड़ता है। ऐसे में एक्टर के तौर पर फिर से उसी किरदार में वापस जाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए तो हर नए सेट के पहले चार से पांच दिन काफी रेस्टलेस होते हैं। मुझे लगता है कि यही मेरा प्रोसेस है, धीरे-धीरे उस किरदार में ढलना। अगर तुलना करें, तो वेब सीरीज में यह थोड़ा ज्यादा मुश्किल होता है, क्योंकि आपको बीच में ब्रेक लेकर फिर वापस उसी कैरेक्टर में आना पड़ता है। वहीं फिल्म में आप लगातार उस किरदार के साथ रहते हैं, हर दिन शूट करते हुए उसी फ्लो में बने रहते हैं। थिएटर की बात करें, तो वह बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां सब कुछ लाइव होता है और एक अलग तरह की एनर्जी और अनुशासन की जरूरत होती है।

'टाइपकास्टिंग से बचने के लिए ना कहना पड़ता है'

टाइपकास्टिंग से बचना बहुत मुश्किल रास्ता है। इसके लिए एक एक्टर को अक्सर इंतजार करना पड़ता है कि उसे कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण ऑफर किया जाए। मैं इंडस्ट्री के दूसरे पक्ष को भी समझती हूं, जब कोई एक्टर किसी खास तरह के रोल में खुद को साबित कर देता है, तो उसे उसी तरह के रोल में कास्ट करना एक सेफ बेट माना जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अब थोड़ा रिस्क लेने की जरूरत है। एक्टर्स को रीइमैजिन करना चाहिए, उन्हें नए नजरिए से देखना चाहिए और अलग अलग तरह के किरदारों में मौका देना चाहिए। मैंने खुद भी टाइपकास्टिंग का अनुभव किया है। ऐसे में इससे बचने का एक ही तरीका है, एक जैसे रोल्स को ना कहना।

पब्लिक फिगर बनने के साथ पर्सनल स्पेस कम हो जाता है

ऐसे मोमेंट्स तो लगभग रोज ही आते हैं, खासकर सोशल मीडिया पर। हम कई बार कह चुके हैं कि एक सीमा होनी चाहिए, लेकिन सच यह है कि आप दूसरों के एक्शन्स को कंट्रोल नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि जब आप पब्लिक फिगर बनते हैं, तो आपको यह समझना पड़ता है कि आपकी पर्सनल स्पेस काफी लिमिटेड हो जाएगी। यह एक तरह की ट्रेनिंग होती है, जो धीरे धीरे आप सीख जाते हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

राजनांदगांव जिले के विकास में महंत राजा दिग्विजय दास एवं रानी सूर्यमुखी देवी का रहा विशेष योगदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थित में आज स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में श्रीमती सूर्यमुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी ने हस्ताक्षर कर पदभार ग्रहण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने श्रीमती सूर्यमुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज निर्वाणी को नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में स्वतंत्रता के पहले 565 से अधिक रियासतें थी। उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश के एकीकरण का कार्य किया। राजनांदगांव के तत्कालीन महंत राजा दिग्विजय दास ने विलय पत्र पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए। उन्होंने रेलवे लाईन एवं औद्योगिक विकास के लिए जमीन दान में दी, जिससे राजनांदगांव में विकास की गति बढ़ी। यह उनकी व्यापक सोच का परिणाम है कि उन्होंने अपनी संपत्ति एवं महल शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया, जहां आज शासकीय दिग्विजय कालेज है। महंत राजा दिग्विजय दास एवं रानी सूर्यमुखी देवी को स्मरण किया। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष से कहा कि आगे भी वे जिले में अच्छे कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाएं तथा विकास में अपना योगदान दें। श्रीमती सूर्यमुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने विधानसभा अध्यक्ष **डॉ. रमन सिंह को कोटिशः** धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रभावना के साथ कार्य करेंगी।

रात्रि चौपाल और ग्राम रथ यात्रा के जरिए समस्याओं का मौके पर समाधान भीनमाल।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निंबावास। भवन में आयोजित 'रात्रि चौपाल' और 'ग्राम रथ यात्रा' के माध्यम से प्रशासन और जनप्रतिनिधि सीधे जनता के द्वार पहुंचे। कार्यक्रम में जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, पूर्व विधायक पूराराम चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी मूलभूत समस्याएं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखीं। सांसद लुंबाराम चौधरी ने अधिकारियों को दो-टूक निर्देश देते हुए कहा कि समस्याओं के समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कई प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत दी गई। रथ यात्रा से डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'ग्राम रथ यात्रा' रही, जिसमें डिजिटल एलईडी स्क्रीन के जरिए राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रदर्शन किया गया। • **कृषि नवाचार:** किसानों के लिए नई तकनीक और सब्सिडी की जानकारी। • **महिला सशक्तिकरण:** सामाजिक सुरक्षा और बाल विकास योजनाओं का प्रचार। • **विकास संवाद:** अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने का संकल्प।प्रशासनिक उपस्थिति उपखंड अधिकारी मोहित कासनिया और तहसीलदार भीखदान चारण सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों ने अपनी बात रखी। जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने कहा कि 'सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है।' पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने ग्रामीणों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। इस भव्य आयोजन ने शासन और जनता के बीच की दूरी को पाटने का प्रभावी कार्य किया है।

तेहरान के 14-सूत्रीय प्रस्ताव पर आया यूएस का जवाब, ईरान कर रहा अमेरिकी प्रतिक्रिया की समीक्षा

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्धविराम की छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान ने अपने 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर अमेरिका से मिले जवाब की समीक्षा शुरू कर दी है। तेहरान का कहना है कि यह योजना केवल युद्ध खत्म करने के लिए है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को बताया कि तेहरान को अपने प्रस्ताव पर वॉशिंगटन का जवाब मिल गया है। यह संदेश पाकिस्तान के माध्यम से ईरान तक पहुंचा है। बघाई ने कहा कि ईरान इस समय अमेरिकी नजरिए की समीक्षा कर रहा है। पूरी प्रक्रिया खत्म होने के बाद ईरान अपनी प्रतिक्रिया देगा। बघाई ने जोर देकर कहा कि ईरान का '14 सूत्रीय प्रस्ताव' केवल क्षेत्र में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए है। इसमें परमाणु मुद्दे से जुड़ी कोई बात शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समय उनका पूरा ध्यान लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में लड़ाई रोकने पर है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया जिनमें कहा गया था कि प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने की बात है। ईरान ने किसी भी दबाव या समय सीमा के तहत बातचीत करने से साफ इनकार कर दिया है। तेहरान चाहता है कि सभी मुद्दों का समाधान 30 दिनों के भीतर हो, जबकि अमेरिका ने दो महीने के संघर्षविराम का सुझाव दिया था। ईरान की मुख्य मांगों में उसकी जमी हुई संपत्ति को मुक्त करना, प्रतिबंध हटाना और क्षेत्र

से अमेरिकी सेना की वापसी शामिल है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है। उसे कूटनीति या टकराव में से एक रास्ता चुनना होगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस योजना की समीक्षा करेंगे, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि यह स्वीकार करने लायक होगी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि सैन्य विकल्प अभी भी खुले हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसी चीजें मांग रहा है जिन्हें वह मान नहीं सकते। सीजफायर के बाद भी सुलह दूर, ईरान के 14-पॉइंट प्लान पर अमेरिका का जवाब ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के सीजफायर के बाद सुलह को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के 14-पॉइंट वाले प्रस्तावित प्लान पर जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिकी की तरफ से दिए गए जवाब की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का प्लान सिर्फ युद्ध खत्म करने पर फोकस है और इसमें न्यूक्लियर फील्ड की डिटेल्स से जुड़ी कोई बात नहीं है। बघाई ने आगे कहा कि अभी, हम लेबनान समेत इस इलाके में युद्ध खत्म करने से जुड़े पैरामीटर्स पर फोकस कर रहे हैं। इस स्टेज पर न्यूक्लियर को लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं है। जबकि, अमेरिका का मुख्य मुद्दा ही न्यूक्लियर है। ईरान ने बार-बार इस बात से इनकार किया है कि वह न्यूक्लियर बम बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान का कहना है कि उसका प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए है, हालांकि यह देश अकेला ऐसा देश है जिसके पास न्यूक्लियर हथियार नहीं हैं और जिसने यूरेनियम को हथियार-ग्रेड लेवल के करीब संवर्धन किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर हमला, कुछ ही घंटों में दो जहाज बने निशाना पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों की घटनाएं तेज हो गई हैं। सोमवार को ब्रिटिश सैन्य एजेंसी ने जानकारी दी कि कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों को निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में पहले से मौजूद तनाव और बढ़ गया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 11:40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। एजेंसी ने बताया कि हमले के बावजूद जहाज के सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान भी नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के तरीके और हमलावरों की पहचान को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले रविवार को भी इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर हमला हुआ था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को और गंभीर बना दिया है। सेना हटाने के फैसले के बीच जर्मन चांसलर का बयान, अमेरिका को बताया अहम साथी जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिका को अपना सबसे महत्वपूर्ण साथी बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उत्तरी अटलांटिक गठबंधन में अमेरिका जर्मनी का सबसे खास पार्टनर है। चांसलर का यह बयान तब आया है जब अमेरिका ने जर्मनी से अपने 5,000 सैनिकों को हटाने का फैसला किया है।

अफगानिस्तान में मीडिया पर शिकंजा: पत्रकारों पर खतरा बढ़ा, प्रेस स्वतंत्रता उल्लंघन के 150 मामले उजागर

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में मीडिया की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अफगानिस्तान पत्रकार केंद्र की नई रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में प्रेस स्वतंत्रता और पत्रकारों के अधिकारों के कम से कम 150 उल्लंघन सामने आए हैं। यह रिपोर्ट मई 2025 से अप्रैल 2026 के बीच की घटनाओं पर आधारित है और विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में सेंसरशिप, पाबंदियां और पत्रकारों पर दबाव काफी बढ़ गया है। इन 150 मामलों में से 127 में पत्रकारों को धमकियां दी गईं, जबकि 20 मामलों में उन्हें गिरफ्तार किया गया। इनमें से 4 पत्रकार अब भी हिरासत में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के हवाई हमलों में राज्य संचालित रेडियो-टेलीविजन के दो कर्मचारियों की मौत भी हुई, जबकि एक घायल हुआ।हालांकि कुल मामलों की संख्या पिछले साल से थोड़ी कम है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि अब प्रतिबंधों की गंभीरता और सख्ती पहले से ज्यादा बढ़ गई है। यह बदलाव 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लागू नीतियों के कारण हुआ है। मीडिया पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। 'जीवित प्राणियों की तस्वीरें' दिखाने पर रोक अब 34 में से 25 प्रांतों में लागू हो चुकी है, जिससे कम से कम 8

स्थानीय टीवी चैनल बंद हो गए हैं। इसके अलावा, 11 मीडिया संस्थानों को बंद कर दिया गया और 10 संगठनों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। सरकार के कई विभागों ने वीडियो रिपोर्टिंग और ऑन-कैमरा इंटरव्यू पर भी रोक लगा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मीडिया को कंटेंट को लेकर भी कड़े निर्देश दिए जा रहे हैं जैसे बिना अनुमति वाले लोगों का इंटरव्यू नहीं लेना। कुछ मामलों में महिलाओं के नाम लेने या लाइव शो में उनसे बात करने पर भी चैनलों को निलंबित कर दिया गया। महिला पत्रकारों की स्थिति और भी खराब बताई गई है। कई जगह उनकी आवाज तक प्रसारण से हटा दी गई और उन पर काम करने की कड़ी पाबंदियां लगाई गईं। कुछ पत्रकारों को उनके पहनावे या दाढ़ी की लंबाई के आधार पर भी गिरफ्तार किया गया। तालिबान ने पुराने मीडिया कानूनों की जगह नए निर्देश लागू किए हैं, जो 'सदाचार और बुराई की रोकथाम' जैसे नियमों पर आधारित हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आर्थिक संकट के कारण कई मीडिया संस्थान बंद हो रहे हैं।

7 दिन में 18 लोगों की मौत, 54000 से अधिक परिवार प्रभावित

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है। केन्या मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि मई के पहले दो सप्ताह में सामान्य से अधिक बारिश जारी रह सकती है। देश में बारिश का मौसम शुरू होने पर मार्च में भारी बारिश हुई थी, जिससे व्यापक पैमाने पर तबाही हुई। मार्च के अंत तक वर्षा जनित हादसों में 100 से अधिक लोग मारे गए।

मासूमों की चीखें और सोती हुई व्यवस्था: अब न्याय चाहिए, तारीख नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज जब हम 21वीं सदी के 'विकसित भारत' का ढिंढोरा पीट रहे हैं, तब हमारे ही देश के किसी कोने से एक 4 साल की मासूम की लाश मिलती है। विकास की बड़ी-बड़ी बातों के बीच इन मासूमों की चीखें दबकर रह गई हैं। देश में चार-चार साल की बच्चियों के साथ दरिंदगी और फिर उनकी निर्मम हत्या की घटनाएं हमारे माथे पर कलंक हैं। पर अफ़सोस, न समाज की रूह कांप रही है, न व्यवस्था की नींद टूट रही है।

न्याय की सुस्त चाल: अपराधियों के लिए वरदान?

हमारे देश की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब कोई नरपिशाच ऐसी घिनौनी वारदात को अंजाम देता है, तो हमारी कानूनी प्रक्रिया उसे 'बचाव' के सौ रास्ते दे देती है। मेडिकल रिपोर्ट, गवाह, सबूत और 'तारीख पर तारीख' का खेल शुरू हो जाता है। महीनों और सालों बीत जाते हैं, फाइलें धूल फांकती रहती हैं।

एक तरफ पीड़ित परिवार न्याय की भीख मांगते-मांगते दम तोड़ देता है।

दूसरी तरफ, वही अपराधी ज़मानत पर बाहर आकर समाज में खुलेआम घूमते हैं और नए शिकार की

तलाश करते हैं।

सरकार से सीधा सवाल: ऐसी खोखली न्याय प्रणाली का क्या अर्थ, जो पीड़ित को न्याय देने के बजाय अपराधी को समय और सुरक्षा प्रदान करे? अब 'कागजी कार्रवाई' नहीं, 'कड़ा प्रहार' चाहिए अब समय आ गया है कि इन दरिंदों के मन में कानून का खौफ पैदा किया जाए। जब तक सजा त्वरित और कठोर (फांसी या उससे भी कड़ी) नहीं होगी, तब तक ये मानसिक विकृति नहीं रुकेगी।

हमें फास्ट-ट्रैक कोर्ट नहीं, बल्कि 'सुपर-फास्ट ट्रैक' फैसलों की जरूरत है। कागजों पर दौड़ने वाले मुकदमों की नीति को अब जड़ से बदलना होगा।

समाज की गिरती मानसिकता और हमारा मौन

सोशल मीडिया के इस युग में हम 'तमाशबीन' बन गए हैं। अन्याय के खिलाफ सड़कों पर उतरने के बजाय हम रील और लाइक्स की दुनिया में मशगूल हैं। इससे भी ज्यादा शर्मनाक तो वह पुरुषप्रधान मानसिकता है, जो ऐसी जघन्य घटनाओं को भी 'पैसे ऐंठने की साजिश' करार देती है। ऐसी सोच रखने वाले लोग उस अपराधी से भी ज्यादा खतरनाक हैं।

अब रणचंडी बनने का समय है

अब और इंतजार नहीं किया जा सकता। देश की महिलाओं को अब अपनी सुरक्षा के लिए खुद 'रणचंडी' का रूप धारण करना होगा। जब तक समाज एकजुट होकर इन भेड़ियों का सामाजिक बहिष्कार नहीं करेगा और सरकार को घुटनों पर नहीं लाएगा, तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

सरकार और प्रशासन कान खोलकर सुन लेः हमारी बेटियां कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं हैं। उनकी सुरक्षा देश की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें ऐसा भारत चाहिए जहां मासूमों को न्याय के लिए बरसों का इंतजार न करना पड़े, बल्कि अपराधी की रूह सजा के नाम से कांप उठे।

जागिए, इससे पहले कि अगली मासूम इस सुस्त तंत्र की बलि चढ़ जाए!

यूक्रेन ने रूसी तेल बंदरगाह पर किया भीषण ड्रोन हमला, बाल्टिक और काला सागर में मची भारी तबाही

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है जहां से दोनों पक्ष अब एक-दूसरे के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों को निशाना बना रहे हैं। रविवार (3 मई 2026) को यूक्रेनी सेना ने रूस के बाल्टिक सागर स्थित प्रमुख तेल निर्यातक बंदरगाह प्रिमोर्स्क पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया है। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के वजह से शहर में आग लग गई थी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बुझा लिया गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हमले से अभी तक किसी तेल रिसाव की खबर नहीं है। प्रिमोर्स्क बंदरगाह रूस के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात केंद्रों में से एक है, जिसमें प्रतिदिन लगभग दस लाख बैरल तेल लोड करने की क्षमता है। गवर्नर ड्रोज्डेंको के अनुसार, इस उत्तर-

पश्चिमी क्षेत्र में रात भर की सैन्य कार्रवाई के दौरान 60 से अधिक यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया। हाल के महीनों में यूक्रेन ने रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों की रफ्तार को बढ़ा दी है। जो इस बात का संकेत है कि जंग अब सीमावर्ती क्षेत्रों से निकलकर रूस के आर्थिक हितों तक पहुंच गया है।

काला सागर में 'शैडो फ्लीट' पर हमला : इस हमले को देखते हुए अब ये लगने लगा है कि यूक्रेन की रणनीति केवल बाल्टिक सागर तक नहीं रही। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी घोषणा की है कि यूक्रेनी बलों ने रूस के काला सागर स्थित नोवोरोसिस्क बंदरगाह के प्रवेश द्वार पर दो शैडो फ्लीट टैंकरों को आसानी से निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम संदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि ये टैंकर तेल परिवहन के लिए उपयोग किए जा रहे थे लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमताओं को जल, थल और आकाश में निरंतर विकसित करना जारी रखेगा। बता दें कि पिछले चार सालों से चल रहे इस जंग में दोनों पड़ोसी देश लगभग रोजाना एक-दूसरे पर विस्फोटकों से लदे सैकड़ों ड्रोन दाग रहे हैं। हाल ही में हुए हमले में रूसी क्षेत्र स्मोलेंस्क के एक अपार्टमेंट ब्लॉक पर हुए हमले में एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गए। मास्को के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि शनिवार शाम एक गांव में हुए हमले में 77 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि मास्को के मेयर के अनुसार राजधानी की ओर बढ़ रहे चार ड्रोनों को समय रहते मार गिराया गया। वहीं, अगर यूक्रेन की बात करें तो वहां भी स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। रूसी हमलों ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख निर्यात टर्मिनलों को निशाना बनाया है। जिसमें एक ट्रक ड्राइवर सहित दो लोगों की मौत हो गई और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

नेपाल की राजनीति में महा-भूचाल ! बालेन शाह ने बदले 110 कानून, एक झटके में 1594 नियुक्तियां रद्द

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में रविवार (3 मई 2026) को बड़ा फेरबदल हुआ है। प्रधानमंत्री बालेंद्र (बालेन) शाह ने एक कड़ा रुख अपनाते हुए देशभर के विभिन्न संस्थानों में की गई 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियों को एक साथ समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस कदम को नेपाल के हालिया इतिहास में सबसे बड़े संस्थागत सुधारों में से एक माना जा रहा है।

कैबिनेट बैठक और राष्ट्रपति की मंजूरी : प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने आठ महत्वपूर्ण अध्यादेशों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के पास भेजा था। इनमें से एक अध्यादेश विशेष रूप से सार्वजनिक निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों को समाप्त करने के लिए तैयार किया गया था। पिछली सरकारों की नियुक्तियां निशाने पर इस बड़े प्रशासनिक बदलाव की सबसे खास बात यह है कि इसमें किसी एक विशेष कार्यकाल की नहीं बल्कि पिछली कई सरकारों के दौरान की गई सभी नियुक्तियों को एक साथ निरस्त कर दिया गया है। चाहे वे नियुक्तियां केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल 'प्रचण्ड' या सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समय की गई हों, बालेन सरकार ने उन सभी को शून्य घोषित कर दिया है। इस बड़े फैसले के लिए सरकार ने लगभग 110 अलग-अलग कानूनों में संशोधन का रास्ता अपनाया है। इस फैसले से क्या पड़ेगा असर?

बालेन सरकार के इस आदेश का सबसे बड़ा असर नेपाल के विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य निकायों पर पड़ा है। देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान जैसे पूर्वांचल विश्वविद्यालय, पोखरा विश्वविद्यालय, संस्कृत विश्वविद्यालय, कृषि एवं वन विज्ञान विश्वविद्यालय, और लुम्बिनी विश्वविद्यालय के उपकुलपति , रजिस्ट्रार और अन्य शीर्ष पदाधिकारी हटा दिए गए हैं। वहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उथल-पुथल देखी जा रही है। नेपाल मेडिकल काउंसिल, नर्सिंग काउंसिल, स्वास्थ्य अनुसंधान परिषद और चिकित्सा शिक्षा आयोग के पदाधिकारियों के साथ-साथ कई सरकारी मेडिकल कॉलेजों के अस्पताल निदेशकों को भी पदमुक्त कर दिया गया है। दूरसंचार से लेकर पर्यटन तक का बदलाव केवल शिक्षा और स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, पर्यटन बोर्ड, प्रेस काउंसिल, और कर्मचारी संचय कोष जैसे प्रमुख निकायों में भी बड़े स्तर पर फेरबदल हुआ है। यहां तक कि माओवादी संघर्ष के बाद गठित शांति प्रक्रिया से जुड़े अहम निकाय जैसे सत्य निरूपण आयोग के पदाधिकारी भी इस फैसले की जद में आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे देश की जर्जर प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक बता रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों को निकालने के लिए अमेरिका ने शुरू किया 'प्रोजेक्ट फ्रीडम'

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका, होर्मुज स्ट्रेट से कमर्शियल जहाजों को निकालने के लिए सेना की मदद से एक बड़ा ऑपरेशन शुरू करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच फंसे जहाजों को निकालने के लिए मानवीय मदद की घोषणा की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने मदद के लिए वाशिंगटन से संपर्क किया और कहा है कि उनका चल रहे झगड़े से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान, मिडिल ईस्ट और अमेरिका की भलाई के लिए, हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन बंद पानी के रास्तों से सुरक्षित बाहर निकालेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस कोशिश को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' बताया।

यह ऑपरेशन मिडिल ईस्ट टाइम के हिसाब से सोमवार सुबह शुरू होने वाला है। ट्रंप ने कहा कि इस कदम का मकसद न्यूट्रल और बेकसूर लोगों की मदद करने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि जहाज आजादी से और अच्छे से अपना काम कर सकें। उन्होंने इस पहल को मानवीय दखल के तौर पर बताया और कहा कि कई जहाजों पर हालात खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इनमें से कई जहाजों में खाना और बड़े क्रू के लिए स्वास्थ्य और साफ-सुथरे तरीके से जहाज पर रहने के लिए जरूरी दूसरी सभी चीजें कम पड़ रही हैं। ट्रंप ने यह भी बताया कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरी तरह पता है कि मेरे प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक बातचीत कर रहे हैं और इन बातचीत से सभी के लिए कुछ बहुत सकारात्मक हो सकता है। हालांकि, उन्होंने किसी भी रुकावट के खिलाफ चेतावनी दी और कहा, 'अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में दखल दिया जाता है, तो दुर्भाग्य से, उस दखल से सख्ती से निपटना

होगा। ' यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीओएम) ने कन्फर्म किया है कि उसकी सेना 4 मई से शुरू होने वाले मिशन का समर्थन करेगी ताकि होर्मुज के जरिए कमर्शियल शिपिंग के लिए नेविगेशन की आजादी बहाल की जा सके। पेंटागन के डायरेक्टेड ऑपरेशन में एक बड़ी मिलिट्री तैनाती शामिल होगी। सीईएनटीओएम के बयान के मुताबिक, समर्थन में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से ज्यादा जमीन और समुद्र पर आधारित एयरक्राफ्ट, मल्टी-डोमेन अनमैन्ड प्लेटफॉर्म और लगभग 15,000 सेवा सदस्य शामिल होंगे। सीईएनटीओएम ने कहा, 'राष्ट्रपति के निर्देश पर यह मिशन उन व्यापारी जहाजों का समर्थन करेगा जो जरूरी इंटरनेशनल ट्रेड कॉरिडोर से आसानी से गुजरना चाहते हैं। समुद्र में दुनिया के तेल व्यापार का एक चौथाई हिस्सा और बड़ी मात्रा में फ्यूल और फर्टिलाइजर प्रोडक्ट्स इसी स्ट्रेट से ट्रांसपोर्ट किए जाते हैं। ' सीईएनटीओएम कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, 'इस डिफेंसिव मिशन के लिए हमारा समर्थन क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है क्योंकि हम नेवल ब्लॉकेड भी बनाए हुए हैं।' इस ऑपरेशन को बड़े डिप्लोमैटिक और मिलिट्री कोऑर्डिनेशन की कोशिशों से भी समर्थन मिलेगा। राज्य विभाग ने युद्ध विभाग के साथ साझेदारी में, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच जानकारी साझा करने और सहयोग को बेहतर बनाने के लिए मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट लॉन्च किया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.